E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक -08 | प्रयागराज, बुधवार 11 मार्च, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प ने ईरान जंग पर पुतिन से बात की,कहा- रूस लड़ाई खत्म करने में मदद करना चाहता है

नयी दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 11वां दिन हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार रात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से ईरान जंग और यूक्रेन के हालात पर 1 घंटे फोन पर बात की। ट्रम्प ने बताया कि पुतिन ने कहा है कि रूस, ईरान जंग खत्म कराने में मदद करना चाहता है। हालांकि ट्रम्प ने उनसे कहा कि अगर वे रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद करें तो वो ज्यादा बेहतर होगा। फ्लोरिडा में मीडिया से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह उनकी और पुतिन की पहली बातचीत थी। यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ा हुआ है। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि पिछले 10 दिन में अमेरिका ने 51 ईरानी जहाज डुबो दिए हैं और हजारों सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। एशियन कप से बाहर होने के बाद ईरान की महिला फुटबॉल टीम की पांच खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने मानवीय वीजा देकर अपने देश में रहने की इजाजत दे दी है। ऑस्ट्रेलिया के इमिग्रेशन मंत्री टोनी बर्क ने बताया कि इन खिलाड़ियों को पुलिस ने सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया है। जिन खिलाड़ियों को वीजा मिला है उनके नाम फतेमेह पसंदिदेह, जहरा घनबारी, जहरा सरबली, अतेफे रमजानजादेह और मोना हमौदी हैं। सरकार ने कहा है कि अगर बाकी खिलाड़ी भी चाहें तो वे भी ऑस्ट्रेलिया में रह सकती हैं। दरअसल, पिछले हफ्ते दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच से पहले ईरान की टीम ने अपना राष्ट्रगान नहीं गाया था। इसके बाद ईरान में कुछ लोगों ने टीम की आलोचना की और उन्हें सख्त सजा देने की मांग भी की। इसी वजह से खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी। रविवार को गोल्ड कोस्ट स्टेडियम के बाहर सैकड़ों लोगों ने टीम के समर्थन में 'सेव अवर गर्ल्स' के नारे लगाए और खिलाड़ियों को सुरक्षित रखने की मांग की।

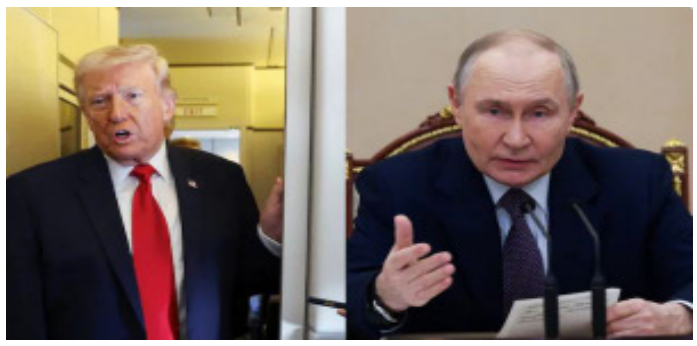

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी पुष्टि की कि इन पांच खिलाड़ियों को मानवीय वीजा दे दिया गया है। इस वीजा के तहत वे ऑस्ट्रेलिया में रह सकती हैं, काम कर सकती हैं और पढ़ाई भी कर सकती हैं। इसी मामले पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी कहा था कि अगर जरूरत पड़े तो अमेरिका भी इन खिलाड़ियों को शरण देने के लिए तैयार है।

ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आज यानी मंगलवार को 10 मार्च बड़ी गिरावट देखने को मिली हैं। एशिया में शुरुआती कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड की कीमतें करीब 8.5फीसदी गिरकर 92.50 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं।

इससे पहले कल ये 115 डॉलर के पास चला गया था।वहीं अमेरिकी तेल भी करीब 9फीसदी टूटकर 88.60 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया है। तेल की कीमतों में यह कमी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने जंग जल्द खत्म होने की बात कही थी

कच्चा तेल 9फीसदी सस्ता होकर 88 डॉलर पर पहुचा,ट्रम्प के 'युद्ध जल्द खत्म' वाले बयान का असर

सैंसेक्स 500 अंक चढ़कर 78,000 पर पहुंचा

नयी दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 10 मार्च को तेजी है। सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 78,000 के स्तर पर

कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 150 अंक की तेजी है, ये 24,200 पर कारोबार कर रहा है। आज बैंकिंग, ऑटो और एफएमसीजी शेयर्स में ज्यादा बढ़त है। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आज यानी मंगलवार को 10 मार्च बड़ी गिरावट देखने को मिली हैं। एशिया में शुरुआती कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड की कीमतें करीब 8.5फीसदी गिरकर 92.50 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। इससे पहले कल ये 115 डॉलर के पास चला गया था। वहीं अमेरिकी तेल भी करीब 9फीसदी टूटकर 88.60 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया है। तेल की कीमतों में यह कमी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने जंग जल्द खत्म होने की बात कही थी। साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 5.10फीसदी चढ़कर 5,518 पर कारोबार कर रहा। जापान का निक्केई 1,670 अंक या 3.20फीसदी चढ़कर 54,399 पर कारोबार कर रहा। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 325 अंक या 1.28फीसदी चढ़कर 25,731 पर कारोबार कर रहा। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 13.01 अंक या 0.32फीसदी नीचे 4,109 पर कारोबार कर रहा। अमेरिकी बाजार में 9 मार्च को गिरावट रही-डाउ जोन्स 239 अंक (0.50फीसदी) गिरकर 47,740 के स्तर पर बंद हुआ। टेक बेस्ड इंडेक्स नैस्डैक कंपोजिट 1.38फीसदी गिरकर 22,695 पर बंद हुआ।एस एंड पी 500 इंडेक्स 55 अंक (0.83फीसदी) गिरकर 6,795 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में आई ये गिरावट और बाजार में तेजी की मुख्य वजह डोनाल्ड ट्रम्प का ताजा बयान माना जा रहा है। सोमवार को ट्रम्प ने कहा था कि मौजूदा युद्ध 'बहुत जल्द' खत्म हो जाएगा। उनके इस बयान से ग्लोबल सप्लाई चेन को लेकर जो अनिश्चितता बनी हुई थी, उसमें कमी आई है और निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

डिलीवरी के 25 दिन बाद ही दूसरा सिलेंडर बुक होगा,ईरान जंग के बीच जमाखोरी रोकने के लिए फैसला

नयी दिल्ली। सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की रीफिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब उपभोक्ता एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन के

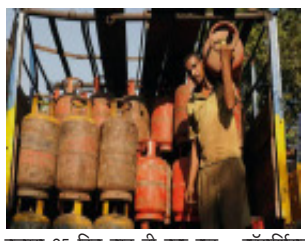

बजाय 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। मिडिल ईस्ट टेंशन के बीच सरकार ने यह कदम गैस की जमाखोरी रोकने और सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा था कि जरूरत न होने पर भी लोग सिलेंडर बुक करके स्टॉक कर रहे थे। सरकार का मानना है कि वेटिंग पीरियड को 25 दिन करने से बेवजह की बुकिंग पर लगाम लगेगी। इससे उन लोगों को आसानी से सिलेंडर मिल सकेगा जिन्हें वाकई जरूरत है। पैनिक बुकिंग की वजह से डिमांड में अचानक आए उछाल को देखते हुए शुक्रवार को तेल कंपनियों ने घरेलू एलपीजी बुकिंग के लिए 21 दिन का लॉक-इन पीरियड लागू किया था। जिसे बढ़ाकर अब 25 दिन कर दिया गया है। इससे पहले बुकिंग को लेकर ऐसा कोई नियम नहीं था। 2 दिन पहले सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की एलपीजी गैस अब 913 रुपए की मिल रही है। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिल रहा है। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई हैं। इससे पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू सिलेंडर के दामों में 50 रुपए का इजाफा किया था। यानी ये बढ़ोतरी करीब एक साल बाद की गई है। वहीं 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 रुपए तक बढ़ाए गए थे। सरकार ने गैस के दामों में बढ़ोत्तरी ऐसे वक्त की है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते देश में गैस की किल्लत की आशंका जताई गई है।

ईरान जंग

पाकिस्तान में तेल महंगा, स्कूल बंद,मंत्रियों की सैलरी-विदेश दौरे पर रोक

सरकारी दफ्तर हफ्ते में 4 दिन खुलेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को बढ़ती तेल कीमतों को देखते हुए खर्चों में कटौती योजना का ऐलान किया है। इसके तहत सरकारी दफ्तर हफ्ते में सिर्फ चार दिन खुलेंगे और आधे कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। इस हफ्ते के अंत से स्कूल दो हफ्तों के लिए बंद रहेंगे।पाकिस्तानी न्यूज चैनल जियो न्यूज के मुताबिक, मंत्रियों और सलाहकारों के विदेश दौरे रोक दिए गए हैं। मंत्री दो महीने तक वेतन नहीं लेंगे और सांसदों की सैलरी में 25फीसदी की कटौती होगी। वहीं, पाकिस्तान में अब दो महीने तक सरकारी गाड़ियों को 50फीसदी कम ईंधन मिलेगा। 60फीसदी सरकारी वाहन नहीं चलेंगे। सभी सरकारी विभाग अपने खर्च में 20फीसदी कटौती करेंगे। शरीफ ने कहा कि अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष की वजह से कच्चे तेल की कीमत 60 डॉलर से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा हो गई है। इस वजह से यह निर्णय लिए गए हैं।पाकिस्तान ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 20फीसदी की बढ़ोतरी की है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपए (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत अब 335.86 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 321.17 रुपए प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया है।कीमतों में बढ़ोतरी की खबर आने के बाद होते ही पाकिस्तान के बड़े शहरों जैसे लाहौर और कराची में पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोग घंटों अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। लोगों को डर है कि आने वाले दिनों में कहीं तेल की किल्लत न हो जाए।बांग्लादेश सरकार को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर लिमिट लागू करनी पड़ी है। ढाका सहित कई शहरों में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारें लगी हैं और लोग डर के कारण ज्यादा तेल खरीदकर जमा करने की कोशिश कर रहे हैं।जमाखोरी और अफवाहों को रोकने के लिए बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (बीपीसी) ने सख्त नियम लागू किए हैं। अब बाइक के लिए दिन में सिर्फ 2 लीटर पेट्रोल ही मिलेगा। निजी कारों के लिए अधिकतम 10 लीटर की सीमा तय की गई है, जबकि बसों और ट्रकों के लिए 70 से 220 लीटर तक की लिमिट रखी गई है। हर पेट्रोल पंप पर रसीद देना जरूरी कर दिया गया है और पिछली खरीद की रसीद दिखाए बिना नया ईंधन नहीं मिलेगा। सरकार ने लोगों से घबराकर तेल जमा न करने की अपील की है।

राज्यसभा चुनाव से पहले 26 नेता निर्विरोध निर्वाचित,इनमें शरद पवार, रामदास आठवले, विनोद तावड़े, अभिषेक मनु सिंघवी हैं

नयी दिल्ली। 10 राज्यों की 37 सीटों के लिए हो रहे राज्यसभा

चुनाव में 7 राज्यों के 26 उम्मीदवार बिना मुकाबले (निर्विरोध) के ही निर्वाचित हो गए हैं। इनमें एनसीपी (शरद) प्रमुख शरद पवार, कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। कई राज्यों में विपक्षी दलों ने उम्मीदवार नहीं उतारे, जिसके कारण ये नेता बिना मतदान के ही राज्यसभा पहुंच गए। हालांकि बिहार, ओडिशा और हरियाणा की 11 सीटों पर मुकाबला होना तय है। इन राज्यों में अतिरिक्त उम्मीदवार मैदान में होने के कारण चुनाव कराया जाएगा। शरद पवार (एनसीपी-शरद), रामदास आठवले (आरपीआई-आठवले), विनोद तावड़े (बीजेपी), रामराव वडुकुटे (बीजेपी), माया इवनाते (बीजेपी), ज्योति वाघमारे (शिवसेना - शिंदे), पार्थ पवार (एनसीपी).नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद बिहार की 5, ओडिशा की 4 और हरियाणा की 2 सीटों पर चुनाव 16 मार्च को होंगे। इन चुनावों में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन को राज्यसभा पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। कुल 10 राज्यों की 37 सीटों के लिए 40 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था। अब 11 सीटों के लिए 14 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिसके कारण बिहार, ओडिशा और हरियाणा में एक-एक सीट पर मुकाबला होगा।

'रॉकेट बनाने का सामान' लेकर चीन से 2 जहाज रवाना,ईरान की मदद क्यों कर रहे जिनपिंग

नयी दिल्ली। ईरान की सरकारी शिपिंग कंपनी के दो जहाज चीन के गाओलान पोर्ट से रवाना हुए हैं। सैटेलाइट तस्वीरों से इसकी पुष्टि

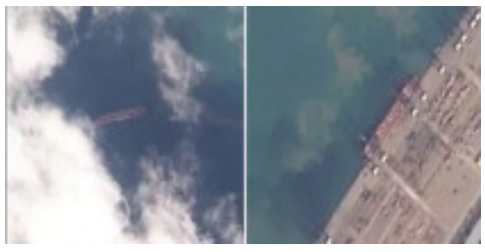

के गाओलान पोर्ट से रवाना हुए हैं। भीषण जंग के बीच ईरान की तरफ बढ़ते जहाजों से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन पर ऐसा मिलिट्री केमिकल लदा हो सकता है, जो रॉकेट बनाने में इस्तेमाल होगा। अगर ऐसा हुआ तो ईरानी हमले जारी रह सकते हैं और जंग लंबी खींच सकती है। ईरान की सरकारी कंपनी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान शिपिंग लाइन्स यानी IRISL के 2 जहाज- शब्दीस और बर्जिन चीन के हुई- गाओलान पोर्ट चीन के दक्षिण-पूर्वी तट के झूहाई शहर में मौजूद हैं। ये केमिकल लोडिंग पोर्ट हैं, जहां से हथियार और मिसाइल वैगरह बनाने के केमिकल भी लोड होते हैं। अमेरिकी न्यूजपेपर द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, शब्दीस और बर्जिन जहाजों में करीब 20 फीट लंबे करीब 21 हजार कंटेनर ले जा सकते हैं। इन पर चीन से सोडियम परक्लोरेट केमिकल लदे होने की संभावना है। सोडियम परक्लोरेट एक हाई-पावर ऑक्सीडाइजर है। इसका इस्तेमाल अमोनियम परक्लोरेट बनाने के लिए किया जाता है, जिससे मिसाइलों के लिए सॉलिड फ्यूल बनाया जाता है। अमेरिका ने भी IRISL पर आरोप लगाया है कि ये तेहरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के जरूरी समान की सप्लाई कर रहा है। इसी के चलते IRISL पर अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय यूनियन ने प्रतिबंध लगाए हैं। 2026 की शुरुआत में IRISL के कम से कम 12 जहाज चीन के इसी पोर्ट के उसी टर्मिनल पर पहुंचे थे, जहां से शब्दीस और बर्जिन रवाना हुए हैं। इनमें से 11 जहाजों ने माल उठाया। इन पर भी मिलिट्री केमिकल्स और रॉ मटेरियल्स लदे थे। फिलहाल दोनों जहाज साउथ चाइना सी पार करके मलक्का स्ट्रेट के करीब पहुंच गए हैं- बर्जिन मलेशिया के पास लंगर डाले खड़ा है, जो करीब 6,400 किमी दूर ईरान के बंदर अब्बास पोर्ट जा सकता है। शब्दीस वियतनाम के पास समुद्र में आगे बढ़ रहा है,**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

यूट्यूबर अनुराग डोभाल को पिता ने संपत्ति से बेदखल किया,डोभाल ने परिवार पर मेंटल टॉर्चर का आरोप लगाया

लाइव आत्महत्या करने की कोशिश की थी

हिमांचल। पॉपुलर यूट्यूबर और 'ऊख07 राइडर' नाम से सोशल मीडिया पर पहचान रखने वाले अनुराग डोभाल इस वक्त अस्पताल

के आईसीयू में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। आत्महत्या करने की कोशिश में उनकी कूल्हे की दोनों हड्डियां टूट गई हैं। इस गंभीर स्थिति के बीच उनके पिता ने अनुराग और उनकी पत्नी रितिका चौहान को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। पिता ने अखबार में विज्ञापन देकर सार्वजनिक रूप से बेटे-बहू से संबंध खत्म करने की घोषणा की है। अनुराग के पिता जगदम्बा प्रसाद डोभाल ने देहरादून के एक अखबार में सार्वजनिक सूचना निकलवाई है। इसमें लिखा है, 'मैं अपने पुत्र अनुराग डोभाल और पुत्रवधु रितिका चौहान डोभाल को अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य व लेन-देन के वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरी और मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। यह विज्ञापन अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बिग बॉस के कंटेस्टेंट रह चुके राइडर अनुराग डोभाल ने शनिवार रात इंस्टाग्राम पर लाइव आकर आत्महत्या करने की कोशिश की। उन्होंने लाइव में तेज रफ्तार में कार चलाते हुए डिवाइडर पर चला दी, जिसके बाद से ही उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। वह दिल्ली-देहरादून हाईवे पर करीब 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से कार चला रहे थे। हादसे के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनके मैनेजर और दोस्तों ने बताया कि अनुराग की हालत फिलहाल नाजुक बनी हुई है। इस विवाद की शुरुआत कुछ दिन पहले हुई थी जब अनुराग ने इंस्टाग्राम पर कई इमोशनल पोस्ट किए थे। 3 मार्च को उन्होंने लिखा था कि उन्हें मेंटली टॉर्चर किया जा रहा है। अनुराग ने वीडियो में दावा किया था, मुझसे मेरा परिवार, पैसा और रिश्ते सब छीन लिए गए हैं। अगर मुझे कुछ होता है, तो इसके जिम्मेदार मेरे मम्मी, पापा और भाई होंगे। इंटर-कास्ट मैरिज बनी विवाद का कारण- अनुराग ने अपने आखिरी व्लॉग में बताया था कि रितिका के साथ उनकी इंटर-कास्ट मैरिज को लेकर परिवार खुश नहीं था। उन्होंने काफी कोशिश की, लेकिन घरवाले शादी में शामिल नहीं हुए। अनुराग का कहना था कि उन्हें न तो माता-पिता का प्यार मिला और न ही भाई का। यहां तक कि उन्होंने अपनी पत्नी रितिका पर भी कुछ गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि, एक्सीडेंट के बाद रितिका अपने परिवार के साथ अस्पताल पहुंची हैं और उन्होंने लोगों से अफवाह न फैलाने की अपील की है।

यूपी के 10 शहरों में अचानक धुंध,मार्च में ही भीषण गर्मी, बारिश का अलर्ट

15 से और बिगड़ेगा मौसम

लखनऊ। गर्मी तेवर दिखाने लगी है। सीजन में पहली बार पारा 38℃ के पार पहुंच गया है। इस बीच, मंगलवार सुबह लखनऊ,

कानपुर समेत 10 शहरों में धुंध छाई रही। कई जगह विजिबिलिटी 400 से 500 मीटर तक सिमट गई। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने कहा- बढ़ते तापमान और हवा में नमी की वजह से सुबह कोहरा और दिन में धुंध जैसे हालात बन रहे। अगले 2 दिन पूर्वी यूपी और आसपास के इलाकों में बारिश के आसार हैं। 5 दिन बाद यानी 15 मार्च से मौसम और बिगड़ सकता है। 24 घंटे की बात करें तो बांदा सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 38.4°C रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा झांसी, आगरा, उरई और हमीरपुर जैसे शहरों में भी तेज धूप निकली। शाम के वक्त 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चली। डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि दोपहर के समय तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। पर्याप्त पानी पिएं। किसानों के लिए मौसम मिलाजुला रहेगा। फसलों के लिए हल्की बारिश फायदेमंद हो सकती है। हालांकि, गर्मी और तेज हवा से खड़ी फसलों को नुकसान होने की आशंका है। मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने कहा-'आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है। जल्द ही प्रदेश के कई इलाकों में पारा 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। 10 से 14 मार्च के बीच दिन और रात दोनों के तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी जारी रहने की संभावना है। 15 मार्च से बारिश का नया दौर शुरू हो सकता है।' पहले 4 बड़े शहरों का हाल जानिए- प्रयागराजः आसमान में चारो तरफ धुंध छाई है। बादल छाए हैं। हल्की धूप निकली है। अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री रहने का अनुमान है। लखनऊः सुबह-सुबह धुंध छाई रही। विजिबिलिटी कम रही। अधिकतम तापमान 34.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। हालांकि, तेज हवा ने गर्मी से राहत दिलाई।

लोकसभा में स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश,50 विपक्षी सांसदों ने पक्ष में वोट किया

गोगोई ने कहा- देश का नेतृत्व कमजोर, बुजदिल

नयी दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से

ज्यादा सांसदों ने पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। अब इस प्रस्ताव पर 10 घंटे चर्चा चलेगी। विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। कार्यवाही के दौरान कांग्रेस ने स्पीकर की गैर-मौजूदगी में डिप्टी स्पीकर के नियुक्त ना करने पर सवाल उठाए। कहा कि चेयर पर बैठे पीठासीन जगदंबिका पाल कैसे इस दौरान कार्यवाही चला सकते हैं। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि देश का नेतृत्व कमकोर और बुजदिल है। डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को देने की परंपरा रही है। 16वीं लोकसभा में एनडीए में शामिल रहे अन्नाद्रमुक के थंबीदुरई को यह पद दिया गया था, जबकि, 17वीं और 18वीं लोकसभा में किसी को भी डिप्टी स्पीकर नहीं बनाया गया। सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नियमों का हवाला देते हुए पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाया और कहा कि जब स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही हो, तब स्पीकर को कार्यवाही की अध्यक्षता करने का अधिकार नहीं होता। उन्होंने कहा कि अभी तक डिप्टी स्पीकर नियुक्त नहीं किया गया है और जो व्यक्ति चेयर पर बैठे हैं, वे भी स्पीकर की मंजूरी से ही आए हैं, इसलिए वे इस प्रस्ताव पर कार्यवाही नहीं चला सकते। उन्होंने मांग की कि बहस शुरू करने से पहले सदन की सहमति से तय किया जाए कि कार्यवाही की अध्यक्षता कौन करेगा। निशिकांत दुबे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि नियमों के अनुसार चेयर पर बैठा कोई भी व्यक्ति स्पीकर जैसी शक्तियां रखता है और वह कार्यवाही की अध्यक्षता कर सकता है। किरेन रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया। केसी वेणुगोपाल ने सरकार पर डिप्टी स्पीकर नियुक्त न करने को लेकर हमला बोला और कहा कि बहस शुरू होने से पहले सदन की सहमति ली जानी चाहिए। इसके बाद रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि चेयर पर बैठे व्यक्ति को कार्यवाही चलाने का पूरा अधिकार है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

प्रयाग गेमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (रिटेल), प्रयागराज द्वारा भव्य होली मिलन समारोह आयोजित हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयाग केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (रिटेल) के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री नंदगोपाल गुप्ता 'नंदी' जी पूरे पश्चिमी व्यापारी महासंघ के महामंत्री धनंजय सिंह व अतिन गुप्ता,जिला महिला व्यापार मंडल

प्रयागराज द्वारा होली के पावन पर्व पर भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन बड़े ही उत्साह और भव्यता के साथ किया गया। इस अवसर पर कृष्ण-राधा थीम पर होली महोत्सव मनाया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने फूलों और गुलाल के साथ पारंपरिक अंदाज़ में होली का आनंद लिया। इस कार्यक्रम में एसोसिएशन के प्रमुख पदाधिकारियों एवं शहर के फुटकर दवा व्यापारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के आयोजक अध्यक्ष राणा चावला, महामंत्री धर्मेंद्र द्विवेदी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, संगठन मंत्री निखिल मलंग तथा कार्यक्रम संयोजक यथार्थ चावला (मोनू) एवं ऋतिक द्विवेदी (राशु) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक चावला जी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद रहे और सभी को होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में एडीएम सिटी प्रयागराज श्री सत्यम मिश्रा जी, पूर्व आईजी श्री के.पी. सिंह जी , भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता जी , औषधि निरीक्षक श्री संतोष पटेल जी, डी.ओ खाद्य सुशील कुमार सिंह, ओ .सी .डी.यू .पी के संगठन मंत्री शैलेन्द्र सिंह टिल्लू, पार्षद किरन जायसवाल , एवं विभिन्न जिलो से आये हुए दवा व्यवसायी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस समारोह में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर संस्था द्वारा प्रयागराज की महिला व्यापारियों को प्रसशनीय पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रयाग व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह,कोषाध्यक्ष सरदार जतिंदर सिंह,शहर के अध्यक्ष अवंतिका टंडन , महासचिव पल्लवी अरोड़ा , वंदना त्रिपाठी , हिना खान , डॉ रंजना त्रिपाठी ,गेस्ट हाउस एसोसिएशन के अध्यक्ष गुफरान अहमद, विद्यासागर केसरी, आकाश जायसवाल,इलाहाबाद मशीनरी एसोसिएशन के अध्यक्ष अम्बरीष खुराना , राजीव नैय्यर, श्याम केसवानी , इंदर मध्यान, इलाहाबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट थोक के अध्यक्ष अनिल कुमार दुबे अन्नू , महमूद अहमद खान , अतुल केसरवानी , सुरेश गुप्ता , अनूप केसरवानी , सत्य प्रकाश मिश्रा , प्रमोद अरोड़ा मोदी ,अरुण त्रिपाठी, विजय वैश , निखिल पांडेय , अनुज अग्रवाल , युवा महामंत्री शुभम केसरवानी , पार्षद साहिल अरोड़ा एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति और व्यापारी उपस्थित रहें।

महिलाओं द्वारा होली मिलन समारोह बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। अशोकनगरः अशोकनगर क्षेत्र में मीरा सिंह (आरएसएस सदस्य) के आवास पर महिलाओं द्वारा होली मिलन समारोह बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही अनेक महिलाएं शामिल हुईं। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण और सामाजिक एकता का सुंदर उदाहरण रहा। समारोह के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और खुशियां साझा कीं।

कार्यक्रम में कविताएं सुनाई गईं, अंताक्षरी खेली गई तथा कई मनोरंजक खेल भी आयोजित किए गए, जिनमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके अलावा गुजिया, पापड़, मिठाइयों और ठंडाई सहित विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजनों का भी आनंद लिया गया। इस अवसर पर आधुनिक समाचार (दा जर्नलिस्ट वेलफेयर) की प्रदेश सचिव श्वेता साहू, दिव्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य रुचि राय, भावनी वेलफेयर की सचिव पूनम सिंह, नशा मुक्ति केंद्र से स्नेह लता सहित मनीषा सिंह, शालिनी दीक्षित, मनोरमा खरे, रागिनी, सविता, शालिनी मिश्रा, नीलिमा, अंजना बनर्जी, सीमा, इंदु, अर्चना, मधुलिका और कल्पना टंडन समेत अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड प्रयागराज द्वारा आयोजित माटीकला टूल्स किड्स विद्युत चलित चाक व पगमिल का निशुल्क वितरण कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड प्रयागराज द्वारा आयोजित माटीकला टूल्स किड्स विद्युत चलित चाक व पगमिल का निशुल्क वितरण कार्यक्रम व एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजन आज दिनांक 9 3.2026 को ग्राम जैतवादी जैतवार डी पड़िला महादेव में ब्लॉक प्रमुख सोरांव प्रदीप कुमार एवं ग्राम प्रधान गिरी जी पडिला महादेव व

अनिल की उपस्थिति में संपन्न हुआ, तथा गांव के लोगो से ही सफल कार्यक्रम का आयोजन हुआ,इस मौके पर जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जवाहर लाल शर्मा व सुनील कुमार, महेंद्र कुशवाहा, आशीष यादव,दिनेश चंद्र दुबे,रामलाल, हिमांशु यादव आदि मौजूद थे।

डीएम व एसपी ने परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

जनपद के 12 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न होगी परीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने दिनांकः 14 एवं 15 मार्च 2026 को आयोजित की जा रही

उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 लिखित परीक्षा को पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने हेतु फिरोजगांधी डिग्री कॉलेज व चन्द्रपाल इण्टर कॉलेज गंगागंज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया व संबंधित अधिकारियों एवं केंद्र व्यवस्थापकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उप निरीक्षक ना0पु0 एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा का आयोजन उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 14 तथा 15 मार्च, 2026 (पूर्वान्ह 10.00 बजे से मध्यान्ह 12.00 बजे तक एवं अपरान्ह 03.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक) को प्रत्येक दिवस को दो पालियों में किया जायेगा। इसी क्रम में जनपद के 12 परीक्षा केंद्रों पर दिनांक 14 व 15 मार्च 2026 को दोनों पालियों में परीक्षा सम्पन्न होगी। परीक्षा में प्रत्येक पाली में 3600 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जाना है।जनपद के प्रत्येक परीक्षा केंद्र में सीसीटीवी की निगरानी में परीक्षा सम्पन्न होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में परीक्षा के दृष्टिगत जो भी तैयारियां की जानी थी वह सभी पूर्ण कर ली गई है। निरीक्षण के समय जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

माह फरवरी-2026 की IGRS पुलिस रैंकिंग में उत्तर प्रदेश में पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज को प्रथम स्थान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनता की समस्याओं को

त्वरित, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एवं समाधान हेतु एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (IGRS) पोर्टल का संचालन किया जा रहा है। जिसमें पुलिस आयुक्त प्रयागराज के निर्देशन, अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था, पुलिस उपायुक्त यमुनानगर (नोडल आईजीआरएस) एवं सहायक पुलिस आयुक्त/प्रभारी आईजीआरएस के कुशल पर्यवेक्षण में माह फरवरी 2026 में IGRS पोर्टल पर प्राप्त शिकायत सम्बन्धी आवेदनों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज ने उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है एवं पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के 39 थानों द्वारा भी संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है।

प्रयागराज-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस होगी बंद 60फीसदी से भी ज्यादा सीटें खाली

रेलवे को हो रहा नुकसान

प्रयागराज। प्रयागराज से गोरखपुर के बीच दौड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को जल्द ही बंद करने की तैयारी हो रही है। पर्याप्त यात्री न मिलने और रेलवे को फायदा न होने से इसे बंद करने पर विचार चल रहा है। आंकड़ों के अनुसार प्रयागराज-लखनऊ रूट पर रोजाना औसतन 60 प्रतिशत से अधिक सीटें खाली रह रही हैं, जिससे राजस्व में भारी गिरावट आ गई है। शुरुआत में यह ट्रेन केवल गोरखपुर-लखनऊ के बीच चलती थी। यात्रियों की मांग पर मार्च 2024 में इसका विस्तार प्रयागराज तक किया गया, लेकिन अब कम ऑक्यूपेंसी से रेलवे को घाटा हो रहा है। उत्तर मध्य रेलवे ने पहले ही आगरा-उदयपुर वंदे भारत को कम यात्रियों के कारण बंद कर दिया है। प्रयागराज जंक्शन स्टेशन सलाहकार समिति सदस्य रौनक गुप्ता ने कहा कि प्रयागराज से ट्रेन की रवानगी का समय यात्रियों को सुविधाजनक नहीं लग रहा। इसे बंद करने के बजाय सुबह चलाया जाए और शाम को वापसी होनी चाहिए। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वंदे भारत के लिए 40-50 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी पर्याप्त नहीं। यात्री न बढ़ें तो रैक को व्यस्त रूट पर लगाना बेहतर होगा। एनसीआर सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी के अनुसार आगरा-उदयपुर वंदे भारत बंद हो चुका है। प्रयागराज-गोरखपुर अभी चल रही है, लेकिन अंतिम निर्णय रेलवे बोर्ड लेगा। कम यात्रा के कारण वंदे भारत ट्रेनों की समीक्षा तेज हो गई है। यात्रियों की सुविधा और रेलवे की आय के बीच संतुलन बनाना चुनौती बन गया है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

सामाजिक सौहार्द के लिए पहल, नोएडा मीडिया क्लब ने पुलिस कमिश्नर व डीएम को आमंत्रित किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मीडिया क्लब द्वारा मार्च

माह में होली एवं ईद मिलन समारोह के आयोजन का प्रस्ताव किया गया है। इस आयोजन के माध्यम से समाज में प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के निमित्त नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी के नेतृत्व में मीडिया क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने गौतम बुद्ध नगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह तथा जिलाधिकारी मेधा रूपम से मुलाकात कर उन्हें समारोह में ससम्मान आमंत्रित किया,प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें कार्यक्रम के उद्देश्य और स्वरूप की जानकारी देते हुए उनके गरिमामयी आगमन का अनुरोध किया। इस अवसर पर महासचिव जयप्रकाश सिंह, सचिव जगदीश शर्मा,वरिष्ठ पत्रकार सुरेश चौधरी, दिनेश शर्मा, मोहम्मद आजाद, अरुण सिन्हा , विजय गौड़, राजेश शर्मा, रंजीत पांडे, अकरम चौधरी, हरवीर चौहान, योगेश राणा, संदीप, रोहित, प्रमोद दीक्षित, प्रिया राणा, सुमन चौधरी सहित नोएडा मीडिया क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने आशा व्यक्त की कि दोनों वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ेगी और पत्रकारों में उत्साह के साथ-साथ समाज में सौहार्द का संदेश और मजबूत होगा।

'जिंदा जलाने आए थे,नहीं मिला तो दुकान जला दी',लखनऊ में रोया जूस दुकानदार

लखनऊ। लखनऊ में गन्ने के रस की दुकान पर रखी बर्फ को एक बच्चा जीभ से चाटते दिखा। 6 मार्च की दोपहर इसका वीडियो वायरल हो गया। वीडियो में दिख रहा है कि सड़क किनारे गन्ने के रस की दुकान है। जमीन पर मशीन लगी है। उसके आगे तख्त रखा है। आगे सोलर पैनल लगा है। मशीन के गन्ने की खोई का ढेर लगा है। आसमानी शर्ट, खाकी पैंट और ग्रे टोपी पहने एक बच्चा गन्ने की मशीन पर रखी बर्फ जीभ से चाट रहा है। बर्फ चाटने के बाद वह आसपास देखता है। पुलिस ने कहा था- जांच की जा रही है कि बच्चा दुकानदार का है, दुकान पर काम करता है या बाहरी है। 6 मार्च को ही आधी रात बीतने पर करीब 1 बजे दुकान में धमाके के साथ आग लग गई। देखते-देखते ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। पास में ही रजाई-गद्दों की दुकान भी आग की चपेट में आ गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। बख्शी का तालाब फायर स्टेशन से एक गाड़ी पहुंची। 'मुझे कुछ लोग जिंदा जलाने आए थे। गनीमत रही कि मैं उस समय वहां पर था नहीं। ज्यादातर सामान भी बगल की दुकान पर रख दिया था। लोगों ने मेरी दुकान फूंक दी। जिस बच्चे ने गन्ने के रस की मशीन पर रखी बर्फ चाटी, वह मानसिक रूप से कमजोर है। उसका वीडियो जब हर जगह चलने लगा तो पुलिस यहां आई थी। मुझसे पुलिसवालों ने कहा था कि गांव भाग जाओ, तुम्हें दिक्कत हो जाएगी।' यह कहना है लखनऊ के उस जूस दुकानदार का जिसकी दुकान धमाके के साथ जल गई थी। दुकानदार महफूज अहमद हैं जो मूलरूप से बहराइच के हैं।

श्री नारायणी सेना प्रदेश अध्यक्ष एवं कर्मावती जन्म गढ़मोरा धाम की अध्यक्ष का कोटपूतली पहुंचने पर भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोटपूतली। राष्ट्रीय संगठन श्री नारायणी सेना की

महिला मोर्चा के प्रदेश के अध्यक्ष बृजबाला सैन एवं अखिल भारतीय कर्मावती जन्म धाम विकास प्रबंधक महासभा समिति के नव नियुक्त अध्यक्ष लक्ष्मी सैन एवं उपाध्यक्ष पूजा सैन जयपुर मीडिया प्रभारी कोमल सैन जयपुर का श्री नारायणी सेना प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश सैन की अगुवाई में कोटपूतली पहुंचने पर डाबला रोड निजी स्थान पर माला साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। गोरतलब है कि दोनों ही महिला अध्यक्ष जयपुर से पाटन बाबूलाल सैन राजखवास के बेटे की शादी में शामिल होने जा रही थी। उसके बाद हसामपुर में पहुंचने पर राष्ट्रीय नाई महासभा पाटन तहसील अध्यक्ष सुरेश सैन हसामपुर की अगवाई में शहीद प्रमोद कुमार सैन की मूर्ति पर माला पहनाकर शहीद को नमन किया एवं परिजनों से मुलाकात की उसके बाद पाटन पहुंचने पर राज खवास परिवार की ओर से भव्य स्वागत अभिनंदन किया । इस मौके पर प्रधान संजय सैन ने कहा। कि महिला शक्तिकरण, शिक्षा एवं सम्मान में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने समाज में महिलाओं को सम्मान, समानता और जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। संरक्षक मुरारीलाल ने कहा। कि महिला शिक्षा और आत्मनिर्भरता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये। सुरेश हसामपुर ने कहा। कि महिलाएं अपने कार्यक्षेत्र में भावनात्मक ही नहीं सशक्त समाज में बदलाव लाने का भी प्रयास किया एवं सर्वश्रेष्ठ दिन की महत्वकांक्षा रखती है। अशोक शुक्लाबास ने कहा। कि आज के समय में महिलाएं काफी सभी क्षेत्रों में अग्रणीय रही है।

इस मौके पर अखिल भारतीय सैन मंदिर हरसोरा धाम प्रधान संजय सैन बानसूर, सचिव राधेश्याम सैन ककरा मोहम्मदपुर, श्री नारायणी सेना राष्ट्रीय संरक्षक मुरारीलाल सैन रामपुरा बारबर यूनियन प्रधान राधेश्याम सैन फतेहपुर कलाँ, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सैन पंडितपुरा, प्रदेश संरक्षक अशोक सैन शुक्लाबास, राजेंद्र सैन हसामपुर, प्ररगना 120 उप प्रधान संजय सैन खेड़की अन्य समाज बंधु उपस्थित रहे।

यूपी में सिलेंडर की किल्लत,लगी लंबी लाइनें,अफसर बोले- गैस की कमी नहीं

लखनऊ। यूपी में रसोई गैस की किल्लत हो गई है। लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर समेत कई शहरों में बुकिंग के 4 से 5 दिन बाद सिलेंडर नहीं मिल रहे। गैस एजेंसियों के बाहर लाइनें लगने लगी हैं। लखनऊ की लालबाग एजेंसी में ग्राहक की पासबुक फाड़ने पर काफी देर तक हंगामा हुआ। कई लोग 3-3 सिलेंडर लेकर एजेंसी पहुंच गए। गोरखपुर में एजेंसी के बाहर अपनी बारी का इंतजार कर रहे लोगों ने कहा- 2-3 दिन से लाइन लगा रहे हैं। ऐसा लग रहा कि 15-20 साल पहले जैसे हालात हो गए हैं, जब गैस सिलेंडर के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था। हालांकि, अफसरों का कहना है कि परेशान होने की जरूरत नहीं है। लखनऊ के जिला पूर्ति अधिकारी विजय प्रताप सिंह ने कहा- फिलहाल किसी तरह की कमी की स्थिति नहीं है। जिले में 25 दिन का कोटा उपलब्ध है।गैस कंपनियों ने भी ग्राहकों को मैसेज भेजकर गैस की किल्लत की खबरों से इनकार किया। कहा- ईंधन की कमी के दावे भ्रामक और निराधार हैं। देश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक है। इधर, तेल कंपनियों ने घटते स्टॉक के चलते कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की डिलीवरी पर अघोषित रोक लगा दी है। एजेंसियों को फिलहाल सिर्फ घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई पर फोकस करने के निर्देश दिए गए हैं।

तीन दिवसीय संत सम्मेलन में बही मानस की गंगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। तीन दिवसीय संत सम्मेलन के अंतिम दिवस आज

दिनांक 9 मार्च 2026 को संत सम्मेलन का शुभारंभ अयोध्या धाम के कथा व्यास मधुसूदन शास्त्री

के उद्बोधन के साथ आरंभ हुआ जिन्होंने सुंदरकांड का भावपूर्ण विश्लेषण किया इसके बाद चित्रकूट से पधारे आचार्य पंडित यज्ञेश मिश्रा मानस मीन के द्वारा मनु शतरूपा भगवान के जन्म का प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया कामत गिर पीठाधीश्वर पूज्य रामस्वरूप आचार्य जी महाराज के द्वारा कलयुग में हनुमान जी की उपासना को सर्वोपरि बताया था बताया कि आठ लोग चिरंजीवी हैं इनमें और अश्वत्थामा, राजा बलि ,मार्कंडेय मुनि, विभीषण ,कृपाचार्य, वेदव्यास,हनुमान जी, परशुराम.... हनुमान जी कलयुग में साक्षात जीवित है तथा जहां भगवान की कथा होती है वहां विराजमान होकर कथा सुनते हैं हनुमान जी अष्ट सिद्ध नव निधि के दाता है तथा धर्म ध्वजा में विराजित है कामदगिरि पीठाधीश्वर का माल्यार्पण के द्वारा स्वागत संस्था के मंत्री मंटू शुक्ला , कोषाध्यक्ष उमेश सिकरिया, उपाध्यक्ष रावेन्श तिवारी ,राघवेंद्रद्विवेदी, गणेश गुप्त, राकेश कक्कड़, चंद्रनाथ त्रिवेदी, डॉ राजेश शुक्ला, डॉ रमेश श्रीवास्तव, कमलेश मिश्रा के द्वारा किया गया मॉर्निंग वॉक एसोसिएशन के द्वारा पूरी सब्जी खीर प्रसाद का वितरण कराया गया इस अवसर पर अपार्जन समूह एकत्रित था। स्वामी रामस्वरूपाचार्य ने हेमकुंड पब्लिक स्कूल जाकर वहां उपस्थित 500 बच्चों को धर्म ज्ञान का पाठ पढ़ाया,जहां स्कूल प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

परिषदीय स्कूलों के छात्र करेंगे हवाई यात्रा,प्रयागराज,वाराणसी और मिर्जापुर मंडल के 22 छात्र-छात्राओं का चयन
इसरो का भी करेंगे भ्रमण

प्रयागराज। परिषदीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं को हवाई यात्रा

कराई जाएगी। इसके लिए वाराणसी, प्रयागराज और मीरजापुर मंडल के कुल 22 छात्र-छात्राओं का चयन कर लिया गया है। इनकी सूची जारी कर दी गई है। दरअसल, ये चयनित छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय अविष्कार अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए थे और प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल किए हुए थे। वाराणसी मंडल के एडी बेसिक हेमंत राव इन 22 छात्र-छात्राओं का लेकर बंगलुरू जाएंगे। वहां छात्र-छात्राओं को इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) का भ्रमण भी कराया जाएगा। हेमंत राव ने बताया कि इसमें 11 जनपद के परिषदीय स्कूलों के 22 बच्चों का चयन किया गया है। इन्हें राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों का भ्रमण कराया जाएगा, इसे एक्सपोजर विजिट कहा जाता है। इस पहल से बच्चों में विज्ञान के प्रति और रूझान भी बढ़ेगा।इसी सूची में 13 छात्राओं के नाम शामिल हैं। वाराणसी के कबीर चौरा कंपोजिट विद्यालय की छात्रा श्रद्धा पांडेय, कंपोजिट विद्यालय चित्रसेनपुर सेवापुरी की सीतांजलि, मीरजापुर के कंपोजिट विद्यालय लूसा की अवंतिका व उच्च प्राथमिक विद्यालय महामलपुर की मुस्कान पटेल, प्रयागराज में उच्च प्राथमिक विद्यालय मोहिउद्दीनपुर, चाका की नैंनी हैं। इसी तरह कौशांबी में कंपोजिट विद्यालय, चरवा की शिल्पा व उच्च प्राथमिक विद्यालय बैगवा की शशि यादव का नाम शामिल हैं। सोनभद्र में उच्च प्राथमिक विद्यालय जमगांव घोरावल की दीपिका पटेल व चंदौली के पूर्व माध्यमिक विद्यालय भगवानपुर की साक्षी प्रजापति हैं। गाजीपुर में उच्च प्राथमिक विद्यालय मदरा की अंशिका यादव, जौनपुर में उच्च प्राथमिक विद्यालय ओइना जलालपुर की छात्रा साक्षी और फतेहपुर में कंपोजिट विद्यालय दौलतियापुर खहुआ की छात्रा अंशिता यादव का नाम शामिल हैं।

नारी शक्ति समाज की प्रेरणा और परिवर्तन की धुरी है-आर पी सिंह,हिंडालको रेनुसागर में धूमधाम से मना अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अनपरा/सोनभद्र।हिन्डाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर के तत्वावधान में स्थानीय प्रेक्षागृह में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के सम्मान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम

का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने दीप प्रज्वलन कर किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति समाज की प्रेरणा और परिवर्तन की धुरी है।महिलाएं केवल परिवार ही नहीं बल्कि समाज और देश के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी समाज और राष्ट्र सच्चे अर्थों में मजबूत बन पाएगा।इससे पूर्व हेड एच आर आशीष पांडेय ने अपने स्वागत सम्बोधन में कहा कि नारी के बिना समाज की कल्पना अधूरी है।एक सशक्त महिला ही सशक्त परिवार और सशक्त समाज का निर्माण करती है। इसलिए महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। हेड संचलन मनीष जैन ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं– चाहे वह शिक्षा हो, विज्ञान, प्रशासन, उद्योग या सामाजिक सेवा। ऐसे में जरूरी है कि हम सभी मिलकर महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करें। आदित्य बिड़ला कैपिटल की अक्षिता शर्मा ने महिलाओं के आर्थिक उत्थान पर प्रकाश डालते हुये आदित्य बिड़ला कैपिटल डिजिटल ऐप के माध्यम से सैलरी से सफलता का मनी मन्त्र दे कर आर्थिक रूप से जागरूकता का संदेश दिया।कार्यक्रम में गति प्रदान करते हुये अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के सम्मान में केक काटकर उत्साह के साथ सेलिब्रेट किया गया।तत्पश्चात संस्थान के महिला कर्मचारी एवं अधिकारी को मुख्य अतिथि ,विशिष्ट अतिथि ने स्मृति चिन्ह देकर उनका उत्साह वर्धन किया ।कार्यक्रम के अंत मे विभागाध्यक्ष मानव संसाधन ब्रजेश कुमार बर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम का सफल संचालन सुष्मिता ने की ।कार्यक्रम को सफल बनाने में नाऊष त्रिपाठी ,राजेश राय का सराहनीय सहयोग रहा।इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी नवींद्र पाठक एवं विभु पात्रा सहित भारी संख्या में महिला मौजूद रही।

जल संकट से निपटने के लिए जल संचयन इकाई होगी वरदान साबित -जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी बद्री नाथ सिंह ने आज कृषि विज्ञान

केन्द्र के तत्वावधान में ग्राम मुसही, रॉबर्ट्सगंज में अग्रणी किसान श्री जय नारायण तिवारी द्वारा स्थापित जल संचयन इकाई का निरीक्षण किये। इस दौरान उन्होंने इकाई की कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने कहा कि सोनभद्र जैसे जिले में, जहाँ अक्सर जल संकट के कारण किसानों की फसलों की उपज प्रभावित होती है और पेयजल की समस्या भी बनी रहती है, वहाँ इस प्रकार की जल संचयन इकाइयाँ किसानों के लिए बेहद उपयोगी और लाभकारी सिद्ध होंगी। उन्होंने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण कर उसे खेती और अन्य आवश्यक कार्यों में उपयोग करना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में इस प्रकार की जल संचयन इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें और जल संकट से राहत मिल सके।

इस अवसर पर उन्होंने खेतों में लगी बागवानी तथा विभिन्न फसलों का भी निरीक्षण किया और किसान की पहल की सराहना की।

इस मौके के पर के0वी0के0 वैज्ञानिक डॉ0 रश्मि सिंह, अवधेश कुमार, संस्था के प्रत्यूष त्रिपाठी उपस्थित रहे।

दीपावली-छठ के बाद होली भी बीती, आठ माह से नहीं मिला मानदेय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आठ माह से लंबित

मानदेय के भुगतान की मांग को लेकर सोमवार को मनरेगा कर्मचारियों का आक्रोश फूट पड़ा। ग्राम रोजगार सेवक (पंचायत मित्र) वेलफेयर एसोसिएशन व मनरेगा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और शीघ्र भुगतान की मांग की। जिलाध्यक्ष विनय कुमार पांडेय के नेतृत्व में पहुंचे कर्मचारियों ने बताया कि करीब आठ माह से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है, जिससे कर्मचारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। दीपावली, छठ और अब होली जैसे बड़े त्योहार भी बिना मानदेय के ही गुजर गए, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि बच्चों की फीस, बुजुर्ग माता-पिता की दवा और रोजमर्रा के खर्च पूरे करना भी मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद शासन स्तर से काम का दबाव लगातार बनाया जा रहा है, लेकिन मानदेय भुगतान को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। मनरेगा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष विनय मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2015 से कर्मचारियों के वेतन से ईपीएफ की कटौती की जा रही है, लेकिन अब तक पूरी राशि कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं की गई है। इससे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही लंबित मानदेय और ईपीएफ की राशि का भुगतान नहीं किया गया तो मनरेगा कर्मचारी जनपद में कलमबंद हड़ताल करने को बाध्य होंगे। इस दौरान पंकज कुमार, अवनीश कुमार, विमलेश कुमार, अभिलाष सिंह, हरिशंकर सिंह, प्रदीप सिंह राणा, वेद प्रकाश, मिथिलेश, अशोक, संतोष यादव, मिराज अहमद, सुनील कुमार सिंह, प्रशांत सिंह, शायदा बेगम, गिरीश चंद्र, सतीश कुमार, संजय कुमार, भूपेंद्र कुमार, सुरेश कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद।

आदिवासी की जमीन कब्जा करने वाले पिता-पुत्रों के विरुद्ध दर्ज होगी एफआईआर,विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट, सोनभद्र कोर्ट ने चोपन इंस्पेक्टर को दिया आदेश

सीओ करेंगे मामले की विवेचना, कोर्ट को परिणाम से अवगत कराना होगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आदिवासी की जमीन कब्जा करने वाले पिता-पुत्रों के विरुद्ध विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने सोमवार को चोपन इंस्पेक्टर को एफआईआर दर्ज कर सीओ से मामले की विवेचना कराने व परिणाम से कोर्ट को अवगत कराने का आदेश दिया है। यह आदेश मनतोरा देवी पत्नी राम सिंह निवासी कोटा, थाना चोपन, जिला सोनभद्र द्वारा अधिवक्ता सीपी द्विवेदी एवं आनंद ओझा एडवोकेट के जरिए दाखिल 173(4) बीएनएसएस के प्रार्थना पत्र पर कोर्ट ने दिया है। दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि वह अनुसूचित जनजाति की महिला है। उसकी सम्पत्ति को हड़पने के आशय से पिता-पुत्रों क्रमशः कामेश्वर जायसवाल, अनिल जायसवाल व सुनील जायसवाल निवासी कोटा, थाना चोपन, जिला सोनभद्र द्वारा 3 जुलाई 2008 को पांच-पांच रुपये के स्टाम्प पर टाईप शुदा फर्जी कागजात तैयार करके उसकी माता फुलेसरी का फर्जी अंगूठा निशान लगा लिया गया। जबकि उसकी मां अनुसूचित जनजाति गोड़ जाति की है। जब उसने 11 जनवरी 2026 को सायं 4-5 बजे पिता-पुत्रों से शिकायत की तो पिता-पुत्रों ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करके गालियां देते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी तथा फर्जी व कूटरचित कागजात के आधार पर उसकी भूमि पर कब्जा कर लिया गया। इसकी सूचना थाने पर दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। रजिस्टर्ड डाक से एसपी सोनभद्र को सूचना दी गई, फिर भी कोई सुनवाई नहीं हुई। तब मजबूर होकर न्यायालय में न्याय के लिए आना पड़ा। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने गम्भीर अपराध मानते हुए, मामले की विवेचना कराया जाना आवश्यक माना। कोर्ट ने चोपन इंस्पेक्टर को एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना सीओ से करवाने व परिणाम से न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया है।

शिक्षकों को मिला स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम का प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले के

राबर्ट्सगंज ब्लॉक के 85 उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विधालयों के 1 अध्यापक जो हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडर के रूप में नामित है उनका प्रशिक्षण खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सभागार में मगलवार को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में 82 विधालयों के अध्यापक उपस्थित हुए। प्रशिक्षण के दौरान सेंटर फार नालेज एंड डेवलपमेंट टीम के स्टेट तथा जिला समन्वयक संजीत सिंह ने प्रतिभागियों को स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सीकेडी टीम द्वारा बनाए गए कुंजी को कैसे यूज़ करना है उसका क्या उपयोग है इसके बारे में विस्तार से बताया। सीकेडी टीम के जिला समन्वयक संजीत सिंह ने प्रतिभागियों को स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उपयोग होने वाले ऐप्इ एमआईएस के बारे ने विस्तार से बताया कि कैसे ऐप डाउनलोड करना है कैसे उसमें रिपोर्टिंग करनी है। सीएचसी ककराही के किशोर स्वास्थ्य काउंसलर शिवांगी मिश्रा ने प्रतिभागियों को पोषण, एनीमिया और आरकेएसके कोऑर्डिनेटर सौरभ सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य, लिंग आधारित भेदभाव, नशीले पदार्थ के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी ताकि वो बच्चों को इसके बारे में जागरूक करें। प्रशिक्षण में खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र मौर्य , एआरपी अरुण कुमार तिवारी कार्यालय के समस्त स्टाफ, सीकेडी के जिला समन्वयक संजीत सिंह, ब्लॉक समन्वयक राजीव पांडेय, किशोर स्वास्थ्य काउंसलर शिवांगी मिश्रा मौजूद रहीं।

डीजल पेट्रोल रिटेल आउटलेट गैंस एजेन्सी के संचालक प्रतिष्ठानों पर गैस सिलेन्डरो की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता करेगें सुनिश्चित-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि वर्तमान में अंतराष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत जनपद के सभी डीजल/पेट्रोल रिटेल आउटलेट एवं गैस एजेन्सियों के संचालको को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर पेट्रोल डीजल एवं एल0पी0जी0 गैस सिलेण्डरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। कृत्रिम अभाव की स्थिति उत्पन्न कर किसी भी दशा में शून्य स्टाक का प्रदर्शन न किया जाये। इसे सम्बन्धित रिटेल आउटलेट/पेट्रोल पम्प एवं गैस एजेन्सियों के संचालक सुनिश्चित करेंगे। अंतराष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न परिस्थितियों की आड़ में किसी भी रिटेल आउटलेट/पेट्रोल पम्प के संचालक एवं गैस एजेन्सियों के संचालको द्वारा डीजल/पेट्रोल एवं एलपीजी गैस का स्वयं जमाखोरी नहीं करेंगे न तो इसे किसी भी दशा में बढ़ावा देंगे ऐसे कृत्यों में संलिप्त डीजल आउटलेट/पेट्रोल पम्प के संचालक एवं गैस एजेन्सियों के संचालको के खिलाफ कठोर विधिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। यह भी सुनिश्चित किया जाना है कि उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक एवं मात्रा से कम पेट्रोलियम उत्पाद की बिक्री न किया जाये। तेल कम्पनियों आईओसीएल/बीपीसीएल/एचपीसीएल के क्षेत्रीय समन्वयक इस निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। जिला पूर्ति अधिकारी सोनभद्र तेल कम्पनियों से समन्वय बनाकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेगें और जनपद के पेट्रोल पम्प गैस एजेन्सी का निरीक्षण सुनिश्चित करायेगें।

पानी निकासी न होने से आक्रोशित परिजनों का विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कलेक्ट्रेट पर परिजनों ने सोमवार को नाली निर्माण की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

सौपा ज्ञापन। पीड़ित परिजन अवधेश कुमार ने बताया कि प्रार्थी के दादा कन्हई पुत्र स्व0 निरू के नाम से खतौनी जमीन ग्राम-करकी, परगना बड़हर, तहसील राबर्ट्सगंज, के नाम से है, तथा खेती-बारी वाली भूमि है। प्रार्थी के दादा के जमीन के बीचो-बीच उत्तर से दक्षिण सरकारी पुलिया बना है जो सरकारी नहर से नाली का पानी क्रास करता है। हमेशा जमीन के दक्षिण पक्की सड़क पर बनी पुलिया से जाता है। सड़क के दक्षिण के दर्जनों कास्तकार द्वारा जबरन सरकारी नाली व पाईप जाम कर दिये जिससे नहर का पानी दिनांक 10.01.2026 को पानी पूरे खेत में 4 फिट ऊँचा भर गया है। प्राथी की बोई हुई गेहूँ की फसल व अन्य सब्जी डूब कर सड़ रही, प्रार्थी सड़क के दक्षिण के कास्तकारों को पाईप व सरकारी नाली खोलने के लिए कहा तो अगादा फसाद पर उतारू है। इसके पूर्व दिनाक 06.01.2025 व 20.05. 2025 को प्रार्थी की गेहूँ व अन्य फसल फसल डूबकर बर्बाद हो गयी, इसके बावत प्रार्थी बीते 28.05.2025 को सक्षम अधिकारियों को शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया, जिस पर सम्बन्धित अधिकारी द्वारा पानी निकास कराने का आदेश दिया गया था नायब तहसीलदार व लेखपाल मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा पानी का निकास करवाये थे तथा उनके द्वारा कहा गया था कि मई व जून 2025 तक पानी का निकास वैकल्पिक व्यवस्था का निकास किया जायेगा उसके पश्चात् पानी निकासी का बन्दोवस्त किया जायेगा। किन्तु उक्त कास्तकारों द्वारा पानी निकास की व्यवस्था बन्द कर दिया गया है, जिससे नाली का समुचित व्यवस्था न होने के कारण जल मग्न होने के कारण प्रत्येक वर्ष लाखों रूपयों की क्षति हो रही है। प्रार्थी मजबूर होकर उक्त प्रकरण की सूचना बीते 28.02.2026 को सी0डी0ओ0 को दिया गया तथा आश्वासन दिया गया कि आपका समाधान जल्द ही कर दिया जायेगा, किन्तु आज तक सम्बन्धित विभाग द्वारा न तो समुचित नाली का व्यवस्था कर पानी का निकासी किया जा रहा है और न ही कोई समुचित कार्यवाही जा रही है। ऐसी सूरत में सम्बन्धित सक्षम अधिकारी को निर्देशित किया जाकर सरकारी नाली व आगामी बरसात का पानी निकासी हेतु सरकारी जमीन जहाँ है, उसी में से दक्षिण बेलन नदी है, का नाली की समुचित व्यवस्था कर भविष्य में प्रार्थी की भूमिधरी भूमि में नाली का निकास न होने के कारण व समुचित सम्बन्धित अधिकारी द्वारा नाली न बनवाने के कारण प्रार्थी की हो रही क्षति का भरपाई किये जाने हेतु सक्षम न्यायालय में चाराजोई करने को प्रार्थी बाध्य न हो, इसलिए अविलम्ब सम्बन्धित विभाग को निर्देशित कर नाली का निर्माण कराकर पानी का निकास की व्यवस्था कराये जाने हेतु अनुमति दिया जाना आवश्यक एवं न्याय सगंत है।इस मौके पर तेज बहादुर, कन्हैया, अमरेश, उर्मिला, मीनू, मोतिरानी, फूलवासी, अनुराधा, भोला आदि लोग मौजूद रहें।

शाहगंज में 'कृषिपालक डेयरी केंद्र' का मंत्री ने किया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शाहगंज में कृषिपालक डेयरी केंद्र का उद्घाटन मंत्री

संजीव कुमार गौड़ के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर ई. रमेश पटेल, आशुतोष चतुर्वेदी, अशोक कुमार पटेल (पूर्व ब्लॉक प्रमुख), रामप्यारे पटेल, विरु पटेल, नरेंद्र बहादुर सिंह एवं क्षेत्र के कई गणमान्य लोग, किसान और पशुपालक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंत्री ने केंद्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि इस प्रकार के डेयरी केंद्र पशुपालकों के लिए काफी लाभदायक साबित होंगे। यहां पशुपालकों को उच्च गुणवत्ता वाला पशु आहार, डेयरी से जुड़ी जानकारी और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे दूध उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। केंद्र के संचालक रामसूरत सिंह ने बताया कि कृषिपालक पशु आहार एक उच्च गुणवत्ता वाला पशु आहार है जिसमें कॉफ स्टार्टर, ग्रोवर, देसी काऊ बफैलो, हाई मिकिंग, प्रेम ट्रांसशन एवं पोस्ट ट्रांसशन फीड की संपूर्ण रेंज है ताकि पशुपालक अपने पशुओं की देखभाल सही तरीके से कर सकें और अपनी आय बढ़ा सकें। कृषिपालक डेरी केंद्र पशुपालकों के लिए एक भरोसेमंद केंद्र है, जहाँ उच्च गुणवत्ता वाला पशु आहार, मिनरल मिक्सचर, और टॉप क्वालिटी बुल सीमन उपलब्ध है। यहाँ किसानों को पशुपालन से जुड़ी सही जानकारी और सलाह भी दी जाती है, जिससे पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर रहे और दूध उत्पादन बढ़े।उद्घाटन समारोह के बाद डेयरी के संचालक ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

महिला सशक्तिकरण के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित,एक्शनएड के तत्वावधान में ब्लॉक सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज विकासखंड

के छपका ब्लॉक सभागार में मंगलवार को एक्शनएड के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व और संचालन निशा कुरैशी द्वारा किया गया।कार्यक्रम में क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं और महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा तथा सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की संयोजक निशा कुरैशी ने अपने संबोधन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास और उसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि महिला दिवस महिलाओं के अधिकार, सम्मान, समानता और सशक्तिकरण के लिए संघर्ष की एक महत्वपूर्ण पहचान है। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए महिलाओं को अपने अधिकारों, कानूनी प्रावधानों और सरकारी योजनाओं की जानकारी होना बहुत आवश्यक है। महिला थाना प्रभारी सविता सरोज ने महिलाओं को संबोधित करते हुए महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा के विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से साइबर क्राइम और डिजिटल अपराध के बारे में जानकारी दी तथा महिलाओं को टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी बताया।एडवोकेट गीता गौर ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि महिलाओं को किसी भी प्रकार की समस्या आने पर कानून का सहारा लेने से पीछे नहीं हटना चाहिए। एडीओ पंचायत राधेश्याम यादव ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न महिला सशक्तिकरण और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी और महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान एचआरडी कमलेश कुमार ने महिलाओं को संगठन की शक्ति के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि जब महिलाएं एकजुट होकर संगठन बनाती हैं तो वे अपनी समस्याओं को मजबूती से उठा सकती हैं और अपने अधिकारों को प्राप्त कर सकती हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सीता देवी, सुनीता देवी, मीना, उषा, आशा, राजकुमारी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, कानूनी प्रावधानों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे समाज में सम्मान और समानता के साथ आगे बढ़ सकें।

जवानी में बढ़ रहा नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर,ये संकेत इग्नोर न करें

हेल्दी लिवर के 8 टिप्स

गुरुग्राम। आपका पूरा शरीर तो दुबला-पतला है, लेकिन पेट पर चर्बी चढ़ रही है? गर्दन की मोटाई बढ़ रही है और हर वक्त थकान महसूस होती है? इसे हल्के में मत लीजिए। शरीर में हो रहे ये सारे

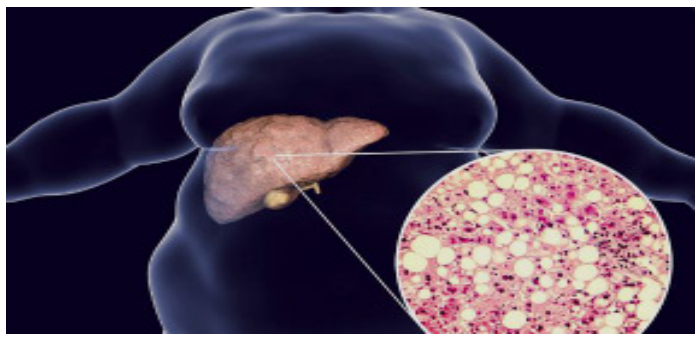

बदलाव फैटी लिवर का संकेत हो सकते हैं। अब आप ये तर्क दे सकते हैं कि फैटी लिवर तो शराब पीने के कारण होता है और मैं एल्कोहल को हाथ भी नहीं लगाता। तो इसका सीधा जवाब ये है कि फैटी लिवर सिर्फ शराब पीने के कारण नहीं होता। जंक फूड खाने, कोल्ड ड्रिंक पीने और एक जगह पर बैठे रहने जैसी रोजमर्रा की जिंदगी की छोटी-छोटी बुरी आदतें भी इस बीमारी को जन्म दे सकती हैं। 'द लैंसेट रीजनल हेल्थ यूरोप' में पब्लिश रिसर्च के मुताबिक अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस में करीब 2 करोड़ लोग नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर से ग्रस्त हैं, लेकिन 75फीसदी लोगों को इसका पता ही नहीं कि वे जोखिम में हैं। फैटी लिवर डिजीज अब युवाओं को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रही है। 'जर्नल ऑफ हेपेटोलॉजी' के अनुसार, दुनिया की करीब 38फीसदी आबादी फैटी लिवर से प्रभावित है, जिनमें लगभग 25फीसदी लोग शराब नहीं पीते। हेल्थ स्टडीज के मुताबिक, शहरी भारत के 30-40फीसदी लोग किसी-न-किसी स्तर की फैटी लिवर समस्या से जूझ रहे हैं। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. संजय गोजा, डायरेक्टर, लिवर ट्रांसप्लांट एंड एचपीबी सर्जरी (हेप्टो-पैन्क्रियाटो-बिलियरी), नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज क्या है? जवाब- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज ऐसी कंडीशन है, जिसमें लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो जाता है। इसमें व्यक्ति शराब नहीं पीता, फिर भी लिवर में फैट जमा हो जाता है। यह दुनिया की सबसे कॉमन क्रॉनिक लिवर डिजीज है। यह समस्या अक्सर मेटाबॉलिक गड़बड़ियों से जुड़ी होती है, जैसे- पेट के आसपास चर्बी होना, इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल, सवाल- एल्कोहलिक फैटी लिवर और नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर में क्या अंतर है? जवाब- एल्कोहलिक और नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर दोनों में लिवर सेल्स में फैट जमा होता है, लेकिन दोनों की वजह अलग-अलग होती हैं। एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज- यह समस्या शराब ज्यादा पीने से होती है। शराब लिवर के मेटाबॉलिज्म को नुकसान पहुंचाती है, जिससे शरीर फैट नहीं पचा पाता या बहुत धीरे पचाता है। यह फैट लिवर में जमा होने लगता है। नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज- इसमें व्यक्ति शराब नहीं पीता, फिर भी लिवर में फैट जमा हो जाता है। इसकी मुख्य वजहें इस प्रकार हैं- मोटापा, इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज, हाई ट्राइग्लिसराइड्स, लो फिजिकल एक्टिविटी अगर दोनों में से किसी भी कंडीशन को समय पर कंट्रोल न किया जाए, तो लिवर में इंफ्लेमेशन, फाइब्रोसिस और आगे चलकर सिरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज के लक्षण क्या होते हैं? जवाब- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज को 'साइलेंट डिजीज' भी कहते हैं। दरअसल, इसके लक्षण अक्सर शुरुआती दौर में नजर नहीं आते। लेकिन जैसे-जैसे समस्या बढ़ती है, शरीर कुछ संकेत देने लगता है, जिन्हें नजरअंदाज करना नुकसानदेह हो सकता है। नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज के लक्षण गंभीर होने पर 'सिरोसिस' का रिस्क हो सकता है। ऐसी कंडीशन में ये लक्षण दिख सकते

हैं- शरीर अतिरिक्त पानी जमा करने लगता है। इंटरनल ब्लीडिंग हो सकती है। मसल्स कमजोर हो सकती हैं। कंफ्यूजन या याददाश्त में गड़बड़ी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सवाल- युवाओं में नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर का जोखिम क्यों बढ़ रहा है? जवाब- इसकी सबसे बड़ी वजह लाइफस्टाइल है। आज जीवन में मेहनत कम है और खानपान की आदतें खराब हैं। युवा बाहर का खाना या पैकेज्ड फूड ज्यादा खाते हैं, जिसमें अनहेल्दी फैट, शुगर और कैलोरीज बहुत ज्यादा मात्रा में होती हैं। सवाल- कौन सी आदतें नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज के खतरे को बढ़ाती हैं? जवाब- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज अचानक नहीं होती, बल्कि यह हमारी रोज की कुछ गलत आदतों का नतीजा होती है। खान-पान से लेकर लाइफस्टाइल तक की कुछ खराब आदतें धीरे-धीरे फैटी लिवर का खतरा बढ़ा देती हैं। सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर कैसे डाइग्नोज होता है? इसके लिए कौन से टेस्ट किए जाते हैं? जवाब- यह बीमारी कई बार रूटीन ब्लड टेस्ट या इमेजिंग जांच के दौरान सामने आती है। डॉक्टर बीमारी की पहचान के लिए कुछ खास टेस्ट करवाते हैं। इमेजिंग टेस्ट: अल्ट्रासाउंड, सिटी स्कैन या एमआरआई के जरिए लिवर में जमा फैट को देखा जा सकता है। ब्लड टेस्ट: ब्लड टेस्ट से यह पता लगाया जाता है कि लिवर सही तरीके से काम कर रहा है या नहीं। लिवर बायोप्सी: इस प्रक्रिया में डॉक्टर एक पतली सुई की मदद से लिवर से टिश्यू का छोटा सा सैंपल निकालते हैं, जिसे माइक्रोस्कोप से जांचा जाता है। इन सभी जांचों की रिपोर्ट्स के आधार पर डॉक्टर फैटी लिवर की कंडीशन और उसकी गंभीरता का आंकलन करते हैं। सवाल- क्या नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर को रिवर्स किया जा सकता है? जवाब- हां, शुरुआती स्टेज में यह पूरी तरह रिवर्स हो सकता है। इसका सबसे प्रभावी इलाज लाइफस्टाइल में बदलाव है। वजन कम करके, हेल्दी डाइट लेकर और नियमित एक्सरसाइज करके लिवर से फैट कम किया जा सकता है।सवाल- अपने लिवर को हेल्दी रखने के लिए क्या करें? जवाब- लिवर हमारे शरीर का सबसे मेहनती अंग है, जो डिटॉक्स से लेकर मेटाबॉलिज्म तक कई अहम काम करता है। अगर रोजमर्रा की जिंदगी में थोड़ी-सी सावधानी बरती जाए, तो लिवर को लंबे समय तक हेल्दी रखा जा सकता है और फैटी लिवर जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। लिवर की सेहत को नजरअंदाज करना भविष्य में गंभीर बीमारियों को न्यौता दे सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम आज ही सतर्क हों, क्योंकि लिवर अगर स्वस्थ है, तो पूरा शरीर स्वस्थ है।

बारिश में एसी से आती है बदबू,सीलन

फंगस समेत हो सकते हैं ये 7 रिस्क, मानसून में बरतें 6 जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। भारत उन गिने-चुने देशों में है, जहां सभी ऋतुएं होती हैं। इनमें मानसून बेहद सुकून देने वाला मौसम है। इस मौसम में भी कुछ लोग एसी (एयर कंडीशनर) का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसकी देखभाल और बदली हुई जरूरतों को नजरअंदाज कर देते

हैं। नतीजतन सीलन, फंगस, बदबू, बिजली बिल में इजाफा और कई बार एसी में खराबी तक आ जाती है। इसलिए गर्मी की तुलना में मानसून में एसी की देखभाल कहीं ज्यादा जरूरी होती है। अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो छोटा-सा फॉल्ट बड़ी परेशानी बन सकता है।मानसून में एसी इस्तेमाल करना इसलिए सहीं नहीं हैं मानसून में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो एसी की कार्यक्षमता पर असर डालती है। अगर समय पर सफाई और सर्विसिंग न हो तो एसी में फंगस, बैक्टीरिया और धूल जमा हो सकती है। इससे हवा दूषित हो जाती है, जो एलर्जी, सिरदर्द या सांस की समस्या का कारण बन सकती है। साथ ही नमी के कारण कूलिंग कॉइल और फिल्टर जल्दी गंदे होते हैं, जिससे बिजली की खपत बढ़ती है और कूलिंग कमजोर हो जाती है। कई बार एसी से पानी टपकने लगता है, जिससे दीवारें भी खराब हो सकती हैं। इसलिए मानसून में एसी की देखभाल पर खास ध्यान देना जरूरी है। अगर एसी का फिल्टर गंदा हो या पानी बाहर निकालने वाली पाइप बंद हो जाए तो नमी कमरे में जमा होने लगती है। बहुत ठंडा टेम्परेचर रखने से भी दीवारों और खिड़कियों पर पानी जम सकता है, जिससे सीलन बढ़ जाती है। इसलिए मानसून में एसी की सफाई जरूरी है और टेम्परेचर ज्यादा कम नहीं रखना चाहिए।मानसून में एसी को सिर्फ चलाना ही नहीं, बल्कि उसकी देखभाल भी जरूरी है। इससे वह लंबे समय तक सही काम करेगी। साथ ही बिजली की बचत भी होगी। नीचे दिए गए कुछ आसान और कारगर तरीकों को अपनाकर आप अपने एसी की परफॉर्मेंस को बेहतर बना सकते हैं। मानसून में लगातार बढ़ती नमी, बारिश और गंदगी की वजह से एसी के कुछ खास हिस्से जल्दी प्रभावित होते हैं। जैसेकि-एयर फिल्टर बारिश के मौसम में धूल की वजह से एयर फिल्टर पर जल्दी गंदगी जम सकती है। इसलिए हर 10-15 दिन में फिल्टर को निकालकर धोएं। गंदा फिल्टर हवा की क्वालिटी को खराब कर सकता है और एलर्जी या सांस से जुड़ी परेशानियों का कारण बन सकता है। ड्रेनेज पाइप- मानसून में अक्सर पानी की निकासी में दिक्कत आती है, खासकर अगर पाइप में धूल या काई जम गई हो। पानी सही से न निकलने से इनडोर यूनिट से पानी टपकने लगेगा। यह सीलन और दीवारों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए समय-समय पर ड्रेनेज पाइप को साफ करवाना जरूरी है। आउटडोर यूनिट (फिन्स और पंखा) - बारिश में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़-पतंगे जमा हो सकते हैं। इससे यूनिट के फिन्स और पंखे पर असर पड़ता है और कूलिंग घट जाती है। इसलिए कोशिश करें कि यूनिट छांव या शेड में हो और उसके आसपास सफाई बनी रहे। कूलिंग कॉइल- बारिश में हवा की नमी कॉइल पर जमकर उसे चिपचिपा बना सकती है। इससे कूलिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है और बिजली की खपत बढ़ती है। हर सीजन की शुरुआत में इसकी डीप क्लीनिंग जरूर करवाएं। डक्ट (अगर सेंट्रल एसी है) - मानसून में डक्ट के अंदर नमी और गंदगी फंगस को जन्म देती है। इससे हवा में बदबू और एलर्जी के कण फैल सकते हैं। इसलिए मानसून में डक्ट की सफाई कराना जरूरी है, खासकर बच्चों या अस्थमा के मरीजों के लिए।कुछ लोग 16-18 डिग्री पर एसी चला देते हैं, जिससे कमरे में सीलन और पानी की बूंदें जम सकती हैं। यह सेहत और दीवारों दोनों के लिए नुकसानदायक है। साथ ही बारिश के मौसम में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़े जमा हो जाते हैं, जिससे यूनिट की परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। इन गलतियों से बचकर आप एसी को न सिर्फ सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि बिजली की बचत और बेहतर कूलिंग भी पा सकते हैं।नम मौसम में पूरे दिन एसी चलाना ठीक नहीं है। इससे कमरे में नमी फंस सकती है, जिससे सीलन, बदबू और फंगल इंफेक्शन की समस्या हो सकती है। साथ ही बिजली की खपत भी बढ़ती है और एसी पर दबाव पड़ता है। बेहतर है कि एसी को ड्राई मोड पर चलाएं, बीच-बीच में कमरे को हवादार करें और जरूरत हो तो सीलिंग फैन का भी इस्तेमाल करें। इससे ठंडक बनी रहेगी और एसी पर लोड भी कम होगा।मानसून में एसी का इस्तेमाल बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित है, लेकिन सही देखभाल और संतुलित इस्तेमाल के साथ। इस मौसम में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो सांस, एलर्जी और फंगल इन्फेक्शन जैसी समस्याएं बढ़ा सकती है।

टी-20 वर्ल्डकप

टीम ऑफ द टूर्नामेंट में संजू-बुमराह समेत 4 भारतीय,साउथ अफ्रीका के मार्करम कप्तान

पाकिस्तान के फरहान और वेस्टइंडीज के होल्डर भी शामिल

नयी दिल्ली। आईसीसी ने सोमवार को टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान

किया है। चैंपियन बनी भारतीय टीम के चार खिलाड़ी इस टीम में शामिल किए गए हैं। इनमें संजू सैमसन, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह का नाम है। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को टीम का ओपनर बनाया गया है। इस टीम की कप्तानी साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल तक पहुंचाने वाले एडेन मार्करम को दी गई है। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी और वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर भी टीम में शामिल हैं। टीम में संजू सैमसन का ओपनर और बतौर विकेटकीपर नाम हैं। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन ने पांच पारियों में 321 रन बनाए। वह प्लेयर ऑफ द मैच रहे और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की पारी खेली, जो टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। ईशान किशन ने भी पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 317 रन बनाए और 193.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए टीम की बल्लेबाजी को मजबूती दी। पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन की पारी और फाइनल में अर्धशतक उनकी अहम पारियों में शामिल रही। हार्दिक पांड्या को ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए टीम में जगह मिली। उन्होंने दो अर्धशतक लगाए और पूरे टूर्नामेंट में 9 विकेट भी लिए। वहीं जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए आठ मैच में 14 विकेट लिए। फाइनल में उन्होंने 4 विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और प्लेयर ऑफ द मैच बने।टीम में पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान भी शामिल हैं, जो 383 रन के साथ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर रहे। साउथ अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम और तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को भी टीम में जगह मिली है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स और स्पिनर आदिल राशिद, वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर और जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी भी टीम ऑफ द टूर्नामेंट में शामिल हैं। अमेरिका के शैडली वैन शाल्कविक को टीम का 12वां खिलाड़ी चुना गया है। भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव और इस फॉर्मेट के नंबर-1 बैटर और बॉलर अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती को टीम में जगह नहीं मिल पाई। सूर्या ने 9 मैच में 242 और अभिषेक ने 8 मैच में 141 रन बनाए। वहीं वरुण चक्रवर्ती के नाम 14 विकेट थे। फाइनल खेलने वाली न्यूजीलैंड के किसी भी प्लेयर को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं ग्रुप स्टेज में जिम्बाब्वे से हारकर बाहर होने ऑस्ट्रेलिया के भी किसी भी खिलाड़ी को टीम में नहीं रखा गया है।

बाहर के कपड़े पहनकर सीधा बेड पर? न करें ये गलती, घर आते ही पहले बदलें कपड़े, डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें ये क्यों जरूरी

नयी दिल्ली। दिनभर की थकान के बाद घर लौटते ही पहला ख्याल यह आता है कि बिस्तर मिले और लेट जाएं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिन कपड़ों को पहनकर

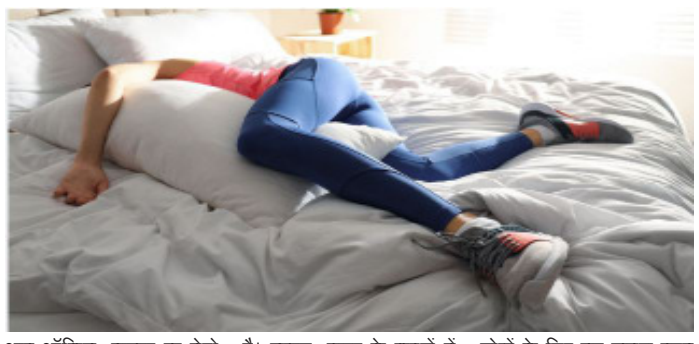

आप ऑफिस, बाजार या मेट्रो से गुजरते हैं, वही कपड़े सीधे आपके बिस्तर पर पहुंच जाएं तो क्या होगा? कई लोग इसे बिल्कुल भी स्वीकार नहीं करते और मानते हैं कि बाहर के कपड़े गंदगी और कीटाणु लेकर आते हैं, जो नींद और स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। वहीं कुछ लोग कहते हैं कि यह बिल्कुल सामान्य बात है। इससे कोई खतरा नहीं है। समझते हैं सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या सच में बाहर के कपड़े इतने गंदे होते हैं? जवाब- बाहर बहुत सारी गंदगी हवा में उड़ती रहती है, जो हमारे कपड़ों में चिक जाती है। साथ ही पब्लिक प्लेस पर बहुत सारे लोग आते जाते रहते हैं। उनके संपर्क में आने से उनके बैक्टीरिया भी हमारे संपर्क में आ सकते हैं। जैसे मेट्रो स्टेशन के लिफ्ट की स्विच, नल का टैप, ऑफिस के दरवाजे का हैंडल आदि।

बाहर के कपड़े मुख्य रूप से तीन तरह के संक्रमण या गंदगी ला सकते हैं। सवाल- क्या इससे एलर्जी या स्किन प्रॉब्लम हो सकती है?जवाब- हां, बाहर के कपड़े पहनकर बिस्तर पर जाने से एलर्जी या त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। जिन लोगों को धूल या परागकण से एलर्जी है, उनके लिए यह समस्या और बढ़ सकती है। बैक्टीरिया और पसीने के कारण लोगों के लिए यह खतरा बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन समय के साथ यह असहजता और स्किन प्रॉब्लम्स बढ़ा सकता है। सवाल- किन लोगों को सबसे ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- हर किसी को सफाई का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह और भी जरूरी है। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- बाहर से लौटकर तुरंत कपड़े बदलना क्यों जरूरी है? जवाब- बाहर के कपड़े बदलने से आप धूल, बैक्टीरिया और एलर्जन को अपने बिस्तर और सोफे तक पहुंचने से रोकते हैं। इससे बिस्तर ज्यादा समय तक साफ और ताजा बना रहता है।मानसिक सुकून भी मिलता है क्योंकि आपको लगता है कि आप एक साफ माहौल में आराम कर रहे हैं। कई एक्सपर्ट मानते हैं कि साफ कपड़ों में सोने से नींद की गुणवत्ता बेहतर हो जाती है। सवाल- क्या कभी-कभी झपकी लेने के लिए बाहर के कपड़ों में बिस्तर पर जाना गलत है?जवाब- नहीं इससे बिस्तर जल्दी गंदा होगा और एलर्जी का खतरा बढ़ सकता है। मानसिक रूप से भी साफ कपड़ों में लेटना ज्यादा आरामदायक महसूस होता है। सवाल- घर और बिस्तर को साफ-सुथरा रखने के लिए कौन-सी बेसिक हाइजीन अपनानी चाहिए? जवाब- घर और बिस्तर को साफ-सुथरा रखने के लिए कुछ बेसिक हाइजीन का ख्याल रखना जरूरी है। सवाल- रोजमर्रा के कपड़े जैसे चादर-ब्लैंकेट कितनी बार धोना चाहिए ताकि संक्रमण से बचा जा सके? जवाब- रोजमर्रा के कपड़े 2-3 बार पहनने के बाद धोने चाहिए। जिम या पसीने वाले कपड़े हर बार धोना जरूरी है। चादर और तकिये का कवर हफ्ते में कम से कम एक बार धोना चाहिए। अगर घर में एलर्जी वाले लोग हैं तो हफ्ते में दो बार भी धो सकते हैं। कंबल और रजाई जैसे कपड़ों की क्लीनिंग सीजन में कम से कम दो से तीन बार होनी चाहिए।

हां, बाहर पहने गए कपड़े घर के मुकाबले ज्यादा गंदे हो सकते हैं। जब आप सड़कों, ऑफिस,

बाजार या पब्लिक प्लेस से होकर गुजरते हैं तो आपके कपड़े धूल, मिट्टी और बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं जो हमें नंगी आंखों से नहीं दिखते हैं। इंटरनेशनल लेवल पर हाइजीन से जुड़े काम देखने वाली संस्था ने घर्ईं छोटे से प्रयोग में पाया

डायबिटीज रातों-रात नहीं होती,शरीर देता ये 8 संकेत, एक भी लक्षण दिखे तो न करें इग्नोर, तुरंत लें डॉक्टर की सलाह

नयी दिल्ली। द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया स्टडी के मुताबिक, साल 2019 में हर पांच में से दो लोग यानी लगभग 40फीसदी लोग यह नहीं जानते हैं कि उन्हें डायबिटीज है। 45 साल और उससे ज्यादा उम्र के हर पांच में से एक व्यक्ति को डायबिटीज है। ऐसे लोगों की संख्या 5 करोड़ से भी ज्यादा है। अगर डायबिटीज लंबे समय तक कंट्रोल न की जाए तो इससे शरीर के कई अंग प्रभावित होने लगते हैं। इससे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, किडनी फेलियर, आई साइट कमजोर होने, नसों को नुकसान और पैरों में गंभीर समस्याए हो सकती हैं। इसके बावजूद भारत में कई लोग, खासकर बुजुर्ग, डायबिटीज को मैनेज करने में लापरवाही बरतते हैं। क्या आपको पता है कि ज्यादा प्यास लगना या बार-बार पेशाब जाना डायबिटीज का पहला संकेत हो सकता है? यह बीमारी दो मुख्य प्रकार की होती है- टाइप 1 और टाइप 2, टाइप 1 में शरीर इंसुलिन नहीं बना पाता, जो ज्यादातर बच्चों और युवाओं में होती है। टाइप 2 सबसे आम है, जहां शरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाता। अगर आपका वजन ज्यादा है या परिवार में किसी को डायबिटीज है, तो खतरा बढ़ जाता है। आज 'फिजिकल हेल्थ' में हम डायबिटीज की शुरुआती

संकेत जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि- टाइप 1 और टाइप 2 में क्या फर्क है? कॉम्प्लिकेशंस के वॉर्निंग साइन्स क्या हैं? ब्लड शुगर को मैनेज कैसे करें? डायबिटीज क्या है और इसे समझना क्यों जरूरी है? डायबिटीज ब्लड शुगर की समस्या है। हम जो खाते हैं, शरीर उसे इस्तेमाल करने के लिए ग्लूकोज में बदलता है। इससे शरीर की कोशिकाओं को ऊर्जा मिलती है। कोशिकाओं को ग्लूकोज इस्तेमाल करनेके लिए इंसुलिन हॉर्मोन की जरूरत पड़ती है। अगर इंसुलिन कम बने या सही काम न करे, तो ग्लूकोज ब्लड में ही रह जाता है। इससे थकान, कमजोरी और दूसरी परेशानियां महसूस हो सकती हैं। पूरी दुनिया में डायबिटीज के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। अगर इसे समय पर डायग्नोज न किया जाए तो हार्ट प्रॉब्लम, किडनी फेलियर या आई साइट में वीकनेस हो सकती है। अच्छी बात यह है कि लाइफस्टाइल बदलकर इसे कंट्रोल किया जा सकता है। यह दो तरह का होता है, टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज दोनों के लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं। अगर ब्लड शुगर बढ़ गया है तो शरीर कुछ संकेत देता है। अगर ज्यादा भूख लग रही है तो इसका मतलब है कि कोशिकाओं को पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिल पा रही है। इसलिए थकान भी लगने लगती है। बार-बार पेशाब जाना भी इसका बड़ा संकेत है। सामान्य व्यक्ति दिन में 4-7 बार पेशाब करता है, लेकिन डायबिटीज में किडनी ज्यादा शुगर बाहर निकालने की कोशिश करती है, तो पेशाब ज्यादा लगती है। इसमें प्यास भी ज्यादा लगती है। मुंह सूखना, स्किन ड्राई और खुजली होना, धुंधला दिखना- ये सब डायबिटीज के कॉमन लक्षण हैं। इसमें अचानक वजन भी कम हो सकता है, क्योंकि शरीर फैट और मसल्स जलाने लगता है। जब ब्लड शुगर कम होता है तो सिरदर्द भी हो सकता है। टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज में लक्षणों का फर्क-टाइप-1 के लक्षण अचानक और तेजी से दिखने लगते हैं। इसके लक्षण आमतौर पर बच्चों में देखने को मिलते हैं। इसके मुख्य लक्षण- ज्यादा पेशाब, प्यास, थकान और वजन कम हना हैं। टाइप-2 में लक्षण धीरे-धीरे सामने आते हैं, ये कई सालों तक नजर नहीं आते हैं। लोग सोचते हैं कि उन्हें बढ़ती उम्र की वजह से थकान हो रही है। ये टाइप-2 डायबिटीज का संकेत हो सकता हैं। महिलाओं और पुरुषों में फर्क- महिलाओं और पुरुषों में लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं, लेकिन महिलाओं को डायबिटीज होने पर वैजाइनल इंफेक्शन या यूरिन इंफेक्शन ज्यादा हो सकता है। पुरुषों में मसल्स वीकनेस या सेक्शुअल प्रॉब्लम्स के लक्षण दिख सकते हैं। बच्चों में डायबिटीज के शुरुआती संकेत- बच्चों को आमतौर पर टाइप-1 होता है, यह 5-6 की उम्र से लेकर या 11-13 साल की उम्र में होता है। इसके लक्षणों में ज्यादा भूख-प्यास, बार-बार पेशाब, थकान, धुंधला दिखना, चिड़चिड़ापन हो सकता है। लड़कियों में वैजाइनल इंफेक्शन और छोटे बच्चों में डायपर रैश की समस्या हो सकती है।

आपस में सुनने की आदत एक ब्रेकडाउन को ब्रेकथ्रू बनाती है

कई दशक पहले की बात है, मेरे कजिन की शादी थी। हमारी पीढ़ी में यह पहली शादी थी। हम सब कजिन इतने उत्साहित थे कि मद्रास (अब चेन्नई) में इकट्ठा हुए और तैयारियों में जुट गए। लेकिन हमेशा हंसने और खुश रहने वाली कजिन, जिसकी पांच दिन बाद शादी थी, वह अचानक हमें अवॉइड करने लगी। वह हमेशा अपने टेलीफोन वाले कमरे में बंद रहती। हम उसे सताने लगे कि उसे प्रेम हो गया है। वह गुस्से और शर्म की मिलीजुली-सी प्रतिक्रिया देती। लेकिन जब नानाजी ने आकर हमें एक अलग कहानी बताई तो लगा कि हम गलत समझ रहे थे। उन्होंने कहा कि 'वह पीड़ा में है, उसे परेशान मत करो। वह स्कूल की पुरानी ट्रॉफियां और फोटो एलबम छांट रही है। नए घर के लिए चंद सूटकेसों में उन्हें समेट नहीं पा रही। तुम्हें उसे परेशान नहीं करना चाहिए। जाओ और पैकिंग में उसकी मदद करो। इसके अलावा वह पैरेंट्स का साथ छूटने और एक नया पार्टनर पाने के बीच असमंजस में भी है।' उस दिन नानाजी ने कमान संभाली। चूंकि मैं भाई-बहनों में सबसे बड़ा था तो उन्होंने मुझसे साथ आने को कहा और उसके कमरे में जाकर उससे एक घंटे बातचीत की। उन्होंने खूबसूरती से समझाया कि वह अब अपने परिवार के दायरे में नए लोगों को शामिल करने वाली है।उन्होंने कहा कि 'किसी नए इंसान से शादी का मतलब माता-पिता को खोना नहीं, बल्कि एक

प्रोटेक्टेड बेटी की भूमिका से बढ़कर ऐसी पार्टनर बनना है- जो दोनों परिवारों की देखभाल कर सके।' उनकी आखिरी लाइन मैं कभी नहीं भूलूंगा। उन्होंने कहा कि 'शादी ?महज नए इंसान को पाना ही नहीं, बल्कि किसी पुराने इंसान को छोड़ना भी है। जैसे कि मैं, कोई और चीज या स्कूल के पुराने एलबम भी।' वह उनसे लिपट कर रो पड़ी। उन्होंने पांच मिनट तक उसे खुलकर रोने दिया। उसी दिन मैंने अचानक-से उसमें बदलाव देखा। उसका सामान अब महज दो सूटकेसों में सिमट गया। उसी शाम हंसती, खिलखिलाती वो वापस आ गई थी। यकीन मानिए, दशकों बाद नानाजी की वो गहरी सलाह मेरे काम आई, जब मैंने अपनी बेटी को उसी स्थिति में देखा। जब वह अपना ब्राइडल टूजो चुन नहीं पा रही थी, तो मैंने उससे वही बात कही। वह अकसर अपनी मां के साथ बूटीक जाती, खूबसूरत लहंगे देखती और यह कहते हुए खाली हाथ लौट आती कि उसे ब्लू का सही शेड नहीं मिल रहा। मुझे यह घटना तब याद आई, जब मैंने 10 फरवरी को ही जारी हुई किताब 'ल्व्स लेबर : हाउ टु ब्रेक एंड मेक द बॉन्ड्स ऑफ लव' में एक अच्छी शादी को लेकर बेहतरीन समझ को पढ़ा। इसमें प्रसिद्ध साइकोएनालिस्ट और लेखक स्टीफन ग्रोज ने 'सोफी' नाम के केन्द्रीय किरदार के इर्द-गिर्द प्यार, शादी, समझ और मिसअंडरस्टैंडिंग के अलग-अलग भावों पर बात की है। 40 से अधिक वर्षों तक मरीजों से हुई बातचीत के आधार पर वे यह बताते हैं कि जब हम सुनना सीखते हैं तो हमारी रिलेशनशिप हमें क्या सिखा सकती है। चूंकि वे पश्चिमी दुनिया से हैं, जहां शादियां अस्थिरताओं से गुजर कर तलाक तक पहुंच जाती हैं, तो वे बताते हैं कि जब हम अपने पार्टनर को सुनना सीख जाते हैं तो रिलेशनशिप हमें क्या सिखाती है। मसलन, अचानक से जब पति को उसका काम आनंद देने लगे तो कपल्स के बीच फ्रिक्शन शुरू हो सकता है। उनकी सलाह है कि काम के प्रति इस नए प्यार पर झगड़ने के बजाय दोनों को बात करनी चाहिए, क्योंकि 'रोमांस भी एक कार्य है और दोनों को इस पर भी कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।' फंडा यह है कि लेबर ऑफ लव जीवन भर का काम है। जब हम एक-दूसरे को ज्यादा सुनते हैं, तो इसका फल और भी मीठा हो जाता है। कभी-कभी कमियां भी सुननी चाहिए, क्योंकि इससे कई बार नया रास्ता भी निकल आता है।एन. रघुरामन

पार्टी की चर्चाओं में गर्मजोशी लानी है तो अपने पास हैरतअंगेज जानकारी रखिए

आपने कई ईवनिंग पार्टियों में देखा होगा कि कुछ लोग सबका ध्यान खींचते हैं। ऐसा नहीं कि वे सेलेब्रिटी या बहुत अमीर लोग हों, जो अपना फैशन दिखा रहे हों, बल्कि वे वहां इकट्ठे लोगों को कुछ अनसुनी कहानियां सुना रहे होते हैं और इसीलिए पार्टी की जान बन जाते हैं। दूसरों के बारे में मैं नहीं जानता, लेकिन मैं तो मेहमानों की लिस्ट और उनकी संभावित रुचि के आधार पर प्लान कर लेता हूं कि उस शाम कौन-सी कहानियां शेयर करनी हैं। सोच रहे हैं कि यह कैसे प्लान होगा? यहां छोटा-सा सुझाव पेश है। अगर आप 14-16 मार्च, 2026 के दौरान किसी सोशल इवेंट या गेट-टुगेदर में शामिल हो रहे हैं तो यकीन मानिए 'ऑस्कर 2026' वहां मेहमानों के बीच चर्चा का विषय रहेगा। क्योंकि उस समय पूरी मीडिया इंडस्ट्री इसी के बारे में लिख और बोल रही होगी। इसी कारण यह उन चुनिंदा दिनों में बेहद हॉट टॉपिक होगा। मुंबई में तो वर्षों से यही रुझान रहा है। तो यहां कुछ चौंका देने वाली जानकारियां हैं, जो आपकी पार्टी की चर्चा में चमक बिखेर देंगी। इसे एकेडमी अवॉर्ड के नाम से जाना जाता है। इसका समारोह 15 मार्च, 2026 को लॉस एंजेलिस में हॉलीवुड के डॉल्बी थिएटर में होगा। इसे आप 16 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार सुबह 4.30 बजे अपने टीवी पर देख सकते हैं। थिएटर में

इस बार 'बेस्ट कास्टिंग' के लिए भी एक नया अवॉर्ड दिया जाएगा, जिससे कुल कैटेगरीज अब 24 हो जाएंगी। ऑस्कर के जिन अनमोल स्टैचुएट्स को हर विजेता घर ले जाएगा, उनके भी बड़े रोचक तथ्य हैं। हर मूर्ति 13.5 इंच लंबी और 3.86-3.9 किलोग्राम वजनी होती है, यानी लगभग एक लैपटॉप के वजन के बराबर। हर विजेता को एक्सेप्टेंस स्पीच देते हुए इसे हाथ में थामना होता है।

ठोस कांस्य से बनी इस ट्रॉफी पर 24 कैरेट सोने की परत होती है। मेरे जैसा सामान्य व्यक्ति सोच सकता है कि ऑस्कर ट्रॉफियां बड़े पैमाने पर बनाई जाती होंगी। लेकिन आपको हैरानी होगी कि हर स्टेच्यू को 20 कारीगरों का एक समूह हाथों से बनाता है और हर साल निर्माण की इस प्रक्रिया में छह महीने लगते हैं। हर ऑस्कर अपने आप में एक मूर्ति है, जिसमें सबसे पहले वैक्स फिगर बनाया जाता है। इसके चारों ओर कठोर और हीट रेजिस्टेंट आवरण बनाने के लिए उसे सिरेमिक स्लरी और सिलिका सैंड में डुबोया जाता है। फिर मोम को पिघलाकर उसकी जगह पिघला कांस्य भरा जाता है। ठंडा होने पर सिरेमिक खोल तोड़ते हैं और उसमें छोटे होते हैं। अंतिम चरण में उस पर सोने की परत चढ़ाई जाती है। परत चढ़ाने की प्रक्रिया इतनी हाई-टेक होती है कि एकेडमी उसी एप्नर टेक्नोलॉजी कंपनी की सेवाएं लेती है, जो नासा के उपकरणों की प्लेटिंग करती है।

सोने की परत इलेक्ट्रोप्लेटिंग से चढ़ाई जाती है। मूर्ति को रासायनिक घोल में डुबोकर इलेक्ट्रिक करंट के जरिए सोने के कणों की निकल प्लेटेड कांस्य से बॉन्डिंग कराई जाती है। इससे सोना कभी उखड़ता नहीं है, हालांकि विजेताओं को आगाह किया जाता है कि इंसान के हाथों का तेल लगने से इसकी चमक कम हो सकती है। एक आखिरी बात। ऑस्कर की घोषणा से पहले अकाउंटिंग फर्म प्राइसवॉटरहाउसकूपर्स (पीडब्ल्यूसी) के केवल दो पार्टनरों को ही परिणाम की जानकारी होती है। समारोह के दौरान वे मंच के किनारों पर खड़े होते हैं, ताकि प्रजेन्टर्स को सही लिफाफे दे सकें। फंडा यह है कि अगर आप एक ऐसे स्टोरीटेलर हैं, जो अपनी कहानियों पर ज्ञान की नई परत चढ़ा सकते हैं तो मैं शर्तिया कह सकता हूं कि आप ही सब को आकर्षित करने वाली 'क्वीन हनी-बी' बनेंगे। एन. रघुरामन

गुलामी के प्रतीकों को हटाने का हमें स्वागत करना चाहिए

यूं तो मैं नई दिल्ली की सड़कों, प्रतिमाओं और इमारतों में सरकार द्वारा किए गए हर परिवर्तन का समर्थन नहीं करता हूं। मिसाल के तौर पर, मुझे समझ नहीं आता कि राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ क्यों किया गया। न ही मैं यह समझ पाया हूं कि मुगल गार्डन्स का नाम बदलकर अमृत उद्यान क्यों किया गया, क्योंकि वह उद्यान मुगल शैली में ही निर्मित है। लेकिन इस महीने जब राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में एडविन लुटियन्स की प्रतिमा के स्थान पर सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण किया, तो इससे मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई। लुटियन्स बेशक एक प्रतिभाशाली आर्किटेक्ट रहे होंगे, लेकिन वे असंदिग्ध नस्लवादी थे। भारतीयों के प्रति उनके मन में गहरी अवमानना की भावना थी, जिसे उन्होंने कभी नहीं छिपाया। इसका अकाट्य प्रमाण 1985 में प्रकाशित पुस्तक 'द लेटर्स ऑफ एडविन लुटियन्स टु हिज वाइफ लेडी एमिली' में मिलता है। भारत का कुछ भी लुटियन्स को प्रभावित नहीं कर सका था- न वास्तुकला, न दर्शन, न संस्कृति और यहां के लोगों की चमड़ी का रंग तो हरगिज नहीं। इंदौर के डेली कॉलेज में उन्होंने छात्रों को एक नस्लवादी शब्द से सम्बोधित किया था। बनारस में उन्होंने पाया कि यहां 'हर तरह के काले लोग, हर तरह का काम करते' हैं। मद्रास के लोगों के लिए तो उन्होंने और अभद्र टिप्पणी की।एक अन्य प्रसंग में उन्होंने लिखा कि 'भारत के लोगों से कोई उम्मीद नहीं की जा सकती'। भारतीय धर्मों में उन्हें कोई बौद्धिकता नजर नहीं आई। अपने निजी स्टाफ के नामों पर भी वे फब्ती कसने से नहीं चूके। उन्होंने कहा, 'ये लोग वो तमाम हरकतें करते हैं, जो किसी भी गोरे साहब को ऊबा सकती हैं।'भारतीय वास्तुकला भी उन्हें प्रभावित नहीं कर पाई। बनारस के घाटों के किनारे स्थित मंदिर उन्हें 'बच्चों के खिलौने वाले पेड़ों' जैसे प्रतीत हुए। कुतुब मीनार की गढ़न उनके अनुसार बेपरवाह और बेढंगी थी। मुम्बई में होलकर का महल उन्हें अभद्र और उदयपुर का राजप्रासाद उन्हें आदिम लगा था। ताजमहल को भी उन्होंने खारिज करते हुए कह दिया कि वह यूनानियों और रोमनों की कृतियों के आसपास भी नहीं ठहरता। उनके साथ काम करने वाले भारतीय शिल्पकारों के बारे में उनकी टिप्पणी थी कि 'इन्हें भद्दे पैटर्न्स और अनगढ़ देवप्रतिमाएं बनाने के सिवा कुछ नहीं आता'। एक निर्माण के अंतिम चरणों में काम का निरीक्षण करते हुए उन्होंने लिखा कि 'लापरवाह भारतीय हमेशा की तरह चीजें बरबाद कर रहे थे और बेतरतीबी फैला रहे थे'। वे अपनी पत्नी के लिए बुद्ध प्रतिमा खरीदना चाहते थे, पर उन्हें कुछ भी मानक के अनुरूप नहीं लगा। उन्होंने लिखा- 'हे भगवान, यहां सबकुछ कितना कुरूप है।' यहां तक कि राष्ट्रपति भवन के भव्य गुम्बद को भी लुटियन्स ने इस प्रकार कल्पित किया था कि वह 'ब्रिटिश सैनिक, अधिकारी, मिशनरी या वायसराय के टोपीधारी सिर की छवि' उत्पन्न करे, जबकि इसे लुटियन्स के समर्थक भारतीय वास्तुकला से प्रेरित बताते हैं। इन तमाम उद्धरणों से स्पष्ट है कि हम भारतीयों और हमारी महान सभ्यता के प्रति लुटियन्स का रवैया एक कुपढ़, बददिमाग और नस्लवादी व्यक्ति का था। ऐसे में स्वयं राष्ट्रपति भवन में लुटियन्स की प्रतिमा का होना हमारी औपनिवेशिक विस्मृति का दयनीय प्रतीक था। यह पूर्णतः उपयुक्त है कि अब लुटियन्स की प्रतिमा को हटाकर उन चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की प्रतिमा को स्थापित किया गया है, जो स्वतंत्र भारत के प्रथम और एकमात्र गवर्नर-जनरल थे। राजाजी एक सच्चे गांधीवादी और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्हें मद्रास प्रेसिडेंसी के प्रीमियर, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में व्यापक राजनीतिक-प्रशासनिक अनुभव प्राप्त था। वे चिंतक और लेखक भी थे। उनका साहित्यिक योगदान- जिसमें रामायण और महाभारत के अनुवादों से लेकर संस्कृति और राजनीति पर चिंतनपरक निबंध तक शामिल हैं- भारतीय बौद्धिक परम्परा को और समृद्ध बनाते हैं। हम ऐसे गणराज्य हैं, जो अपनी सार्वजनिक स्मृति को अपनी ही मिट्टी में रोपना चाहता है। हमें सरकार को इस निर्णय के लिए बधाई देनी चाहिए, जो औपनिवेशिक इमारतें बनाने वाले के बजाय राष्ट्र की अंतश्चेतना के निर्माण में योगदान देने वाले व्यक्ति की स्मृति को समर्पित है।

जो देश 6जी की दौड़ में आगे, दुनिया पर उसी का दबदबा

मार्च में बार्सीलोना में होने जा रही मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में नए प्रोडक्ट-लॉन्चों और बड़ी-बड़ी बातों के बीच हर किसी के मन में एक ही सवाल होगा कि 6जी की दौड़ में दुनिया का नेतृत्व कौन करने जा रहा है? मोबाइल टेक्नोलॉजी की अगली पीढ़ी यह तय करेगी कि उस महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर पर किसका नियंत्रण होगा, जिस पर आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं, सुरक्षा तंत्रों और लोकतांत्रिक सरकारों की निर्भरता बढ़ती जा रही है। 6जी के तकनीकी स्टैंडर्ड अभी से तय किए जाने लगे हैं।

2028 तक इसकी रूपरेखा बन सकती है और 2030 के आसपास इसे लागू कर दिया जाएगा। जो भी इस क्षेत्र में लीड करेगा, वही आने वाले दशकों तक आर्थिक और सामरिक वर्चस्व की स्थिति में रहेगा। वास्तव में 6जी की दौड़ 5जी की तुलना में ज्यादा पहले शुरू हो रही है- और कहीं अधिक गहराई तक जा रही है।

5जी को लेकर होने वाली राजनीति इस प्रश्न पर केंद्रित थी कि क्या हुआवेइ जैसे चीनी विक्रेताओं पर राष्ट्रीय नेटवर्क बनाने के लिए भरोसा किया जा सकता है।

पश्चिमी सुरक्षा अधिकारियों के दबाव ने हुआवेइ को स्वयं में बदलाव लाने के लिए बाध्य किया।

प्रमुख पश्चिमी बाजारों से कट जाने के बाद उसने अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन किया, घरेलू इनोवेशन को बढ़ाया और राज्यसत्ता के समर्थन से चीनी सरकार के सामरिक उद्देश्यों के अधिक अनुरूप होकर उभरी।

लेकिन 6जी को लेकर संघर्ष सप्लायर्स का नहीं, तकनीकी ब्लूप्रिंट का है। 6जी सेल्युलर टेक्नोलॉजी से अपेक्षा है कि वे एआई और एडवांस्ड कम्प्यूटिंग को सीधे नेटवर्क संरचना में जोड़ेंगी, जिससे बड़े पैमाने पर ऑटोमेशन संभव होगा।

लेकिन जब अरबों डिवाइसेस आपस में जुड़ी होंगी और नेटवर्क खुद ही सेंसर और एआई लेयर के रूप में काम करेगा, तो डिजाइन में मौजूद किसी भी तरह की कमजोरी के व्यापक परिणाम भी हो सकते हैं। डिजिटल सम्प्रभुता बुनियादी ढांचे पर निर्भर है।

अगले दशक में निर्मित होने वाले नेटवर्क उसी डेटा को कैरी करेंगे, जिनसे अस्पताल, बिजली ग्रिड, सैन्य प्रणालियां और चुनाव प्रणालियां संचालित होती हैं। वर्तमान में इस दौड़ में तीन ताकतें अग्रणी हैं।

एक है चीन, जिसके पास राज्यसत्ता की पूरी शह के चलते वह इस स्थिति में है कि समानांतर प्रणालियां भी संचालित कर सकती है।

चीन ने अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण के संस्थानों में भी भारी निवेश किया है और बुनियादी ढांचा सम्बंधी कूटनीति के जरिए वह ग्लोबल साउथ के देशों को साधने का प्रयास कर रहा है।

अमेरिका 6जी को एक अलग पोजिशन से देखता है। उसकी टेक कम्पनियां कनेक्टिविटी से उत्पन्न वैल्यू का बड़ा हिस्सा अर्जित करती हैं, भले ही वे रेडियो नेटवर्क का निर्माण न करती हों।

फिर भी, अमेरिका मुख्य हार्डवेयर के लिए गैर-अमेरिकी विक्रेताओं- विशेष रूप से एरिकसन और नोकिया पर निर्भर बना हुआ है।

ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क के जरिए बाजार को नया आकार देने के प्रयासों का अब तक कोई खास असर नहीं पड़ा है, हालांकि 6जी के निकट आने के साथ ऐसी कोशिशों के पुनः उभरने की संभावना है। इस बीच, अमेरिका कनेक्टिविटी पर अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं- जिनमें सैटेलाइट और सॉफ्टवेयर-आधारित प्रणालियां शामिल हैं- को भी प्रोत्साहित कर सकता है। क्लाउड और एआई सेवाओं में पहले ही अमेरिकी प्रभुत्व स्थापित है।

इसे नेटवर्क लेयर तक बढ़ाना उस पर दुनिया की मौजूदा निर्भरताओं को और गहराएगा ही।

इससे उन देशों के सामने नई सामरिक चुनौतियां पैदा होंगी, जो पहले ही अमेरिकी प्लेटफॉर्म और सेवाओं पर निर्भर हैं। यूरोप का मामला तो और अजीब है।

वह अनेक डिजिटल क्षेत्रों में पिछड़ा हुआ है, किंतु टेलीकॉम के क्षेत्र में अब भी ग्लोबल लीडर है। एरिकसन और नोकिया उन गिनी-चुनी कंपनियों में हैं, जो व्यापक पैमाने पर पूर्ण रेडियो एक्सेस नेटवर्क प्रदान करने में सक्षम हैं।

यह औद्योगिक आधार यूरोप को ऐसा प्रभाव देता है, जो बहुत कम क्षेत्रों के पास है। किंतु यही स्थिति तनाव का कारण भी बन सकती है।

चूंकि यूरोपीय टेलीकॉम कंपनियां अमेरिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं और बाजारों से गहराई से जुड़ी हुई हैं,

इसलिए ईयू की रणनीति तैयार करने वालों के लिए यह मान लेना सम्भव नहीं है कि उनकी भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं और कॉर्पोरेट प्रोत्साहन हमेशा एक-दूसरे के अनुरूप बने रहेंगे।

आज 6जी की दौड़ में तीन ताकतें आगे हैं।

चीन, जिसके पास भरपूर सामर्थ्य है। अमेरिका, जिसकी टेक कम्पनियां कनेक्टिविटी से उत्पन्न वैल्यू का बड़ा हिस्सा अर्जित करती हैं।

और यूरोप, जो टेलीकॉम में ग्लोबल लीडर है। ॅप्रोजेक्ट सिंडिकेट) ब्योर्न फैगर्स्टन

अच्छे पैरेन्ट्स बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं, चाहत नहीं!

7 साल की समायरा मुम्बई के चेम्बूर में एक बड़े रिटेल स्टोर की शेल्फ के बीच में खड़ी थी। उसने अपनी मां अमृता से पूछा, 'मम्मी मुझे ये मिठाई चाहिए'। अमृता ने इधर-उधर देखा और पाया कि वहां समायरा के कद का एक और बच्चा पहले से मिठाई खा रहा था और इसीलिए उसकी बच्ची ने भी उसी मिठाई की मांग की। वह जानती थी कि इस उम्र में यह स्वाभाविक है कि बच्चों को वो सब चाहिए, जो साथियों के पास है।अमृता ने ग्रोसरी शेल्फ की ओर देखना बंद किया, हालांकि उसे पता था कि वह लेट हो रही थी और उसे सिर्फ दो और चीजें ही लेनी थी और घर जाना था क्योंकि मेहमान लंच पर आने वाले थे। लेकिन अपनी बेटी की मांग पर सख्ती से 'ना' कहने या उसकी मांग के आगे झुक जाने के बजाय उसने अपने काम को रोकने और बेटी से बात करने का फैसला किया।वह थोड़ा झुकी और समायरा की आंखों में आंखें डालकर बोली 'बताओ बच्चा' (सख्त स्वर में), ईमानदारी से बताओ (करुण स्वर में) तुम्हें इस मिठाई की जरूरत है (सामान्य स्वर में) या...तुम बस इसे लेना चाहती हो? (जिज्ञासु स्वर में, जैसे मां को जवाब पता नहीं)।' समायरा शर्माती सी उसके कंधे पर टिक गई, और धीमे स्वर में दूसरे बच्चे की ओर अंगुली करते हुए बोली 'उसके पास ऐसी मिठाई है'।अब इस मोलभाव में मां का पक्ष मजबूत था। अमृता ने कहा, 'कोई बात नहीं, तुम्हें खाने के लिए मिठाई चाहिए। हमारे फ्रिज में रखीं हैं। हम घर जा रहे हैं, यदि तब भी तुम्हें लगे कि ये

खानी है, तुम हमेशा ले सकती हो। पर सिर्फ इसलिए कि किसी दूसरे के पास यह है, इसका मतलब यह नहीं कि हमारे पास भी वही होनी चाहिए।'स्टोर में

कोई नहीं जानता कि समायरा इन गहरे शब्दों को समझ पाई या नहीं, लेकिन दूसरे बच्चे की मां अमृता के पास आई और उसकी तारीफ की। अमृता ने जल्दी से वो चीजें ली, जो वो चाहती थी और समायरा भी एक मेमने की तरह मां के पीछे खुशी-खुशी, नाचती हुई चलती दिख रही थी।समायरा के पिता समीर और मां अमृता से ही उसे अपना नाम मिला। दोनों ही बैंकर हैं और ऊंचे पद पर हैं और मुम्बई की सबसे पॉश कॉलोनी में रहते हैं, इसलिए उनके लिए अफॉर्डेबिलिटी कभी कोई मसला नहीं रहा। फिर भी समायरा को वह सब कुछ नहीं मिलता, जो वह चाहती है।यही उनकी परवरिश की खूबसूरती है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली समायरा के दादा-दादी ने इस रविवार को मुझे और मेरी पत्नी को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। इसी कारण मैं इस वाकिये के बारे में जान पाया।अमृता ने कहा,'माता-पिता बच्चों के सुखद बचपन के निर्माण के लिए नियमित प्रयास करते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि बढ़ते बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए और वो सबकुछ दिया जाए, जिसकी उन्हें जरूरत है। लेकिन ठीक उसी समय, इच्छाओं व सनक के बीच महीन रेखा होती है, और पैरेंन्ट्स को चाहिए कि वे अपने बच्चों को इस अंतर वेा बारे में समझाने की जिम्मेदारी लें।जब उन्हें सब मिल जाता है तो एक समय पर वह बहुत सी चीजों के प्रति लालची हो जाते हैं। यह जरूरी है कि वे बड़े होने पर आवश्यकता और चाहत के बीच के अंतर को समझे। यह सब बताते हुए अमृता ने ये भी कहा कि मैं खुद को कभी नहीं रोकती, मैं बेटी की जरूरतें पूरी करती हूं, उसके बचपन में चमक बिखेरने वाले गिफ्ट देती हूं और उसे उनका आनंद लेने देती हूं।लेकिन सिर्फ माता-पिता ही यह जानते हैं कि कब बच्चा थोड़ा जिद्दी हो रहा है और यही वह समय होता है जब बच्चों को यह सीख देनी होती है कि 'अपनी जरूरतों को जानो'। समायरा के पैरेंट्स से बातचीत में मुझे एहसास हुआ कि वे मेरी पीढ़ी की तुलना में अधिक बेहतर माता-पिता है। उसी समय मैंने निर्णय किया कि अगली 'गुड पैरेंटिंग' सेमिनार में उन्हें बुलाया जाना चाहिए।फंडा यह है कि जरूरतों को प्राथमिकता के स्तर पर तय करने से किसी बच्चे को यह समझने में सहायता मिलती है कि उसे किस चीज की जरूरत है और कौन-सी चीज सिर्फ उसकी चाहत है। इससे उनमें एहसानमंद होने और संतोष की भावना विकसित होती है। इससे बच्चा जिम्मेदारी, मुसीबतों से पार पाने की क्षमता और कठिन परिश्रम के महत्व जैसे जीवन के मूल्यवान सबक भी सीखता है।

लोकसभा में स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश,50 विपक्षी सांसदों ने पक्ष में वोट किया

गोगोई ने कहा- देश का नेतृत्व कमजोर, बुजदिल

आखिर में चेयर पर बैठे जगदंबिका पाल ने कहा कि स्पीकर का पद खाली नहीं है, इसलिए उन्हें कार्यवाही चलाने का अधिकार है। कई सदस्यों ने पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें बाद में मौका दिया जाएगा। लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान एक बार फिर डिप्टी स्पीकर नियुक्त न किए जाने का मुद्दा गर्मा गया। दो साल पहले भी यह मामला उठा था, जब ओम बिरला को लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुना गया था। सरकार डिप्टी स्पीकर चुनाव क्यों नहीं करा रही इसको लेकर दावा किया जा रहा है कि 17वीं लोकसभा (2019-2024) में केंद्र की भाजपा सरकार के पास 303 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत था, जिसके कारण सरकार को विपक्ष के साथ समझौता करने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। विपक्षी नेताओं के मुताबिक सरकार ने जानबूझकर यह पद खाली रखा। क्योंकि इसे विपक्ष को देना पड़ता, विशेष रूप से कांग्रेस को जो सरकार की प्राथमिकता नहीं थी। 18वीं लोकसभा (2024-वर्तमान) में भी यही स्थिति बनी। भाजपा के पास 240 सीटें हैं। एनडीए गठबंधन के पास 293 सीटें हैं, जो बहुमत से अधिक हैं। इसके बावजूद सरकार ने विपक्ष की मांग को नहीं स्वीकारा। लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच सहमति नहीं बन पाई थी। क्योंकि विपक्ष ने स्पीकर के लिए एनडीए उम्मीदवार को समर्थन देने की शर्त में डिप्टी स्पीकर का पद मांगा था। जगदंबिका पाल ने बहस के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को टोका। कहा कि देश ये भी देख रहा है कि प्रस्ताव कुछ और है। आरोप कुछ और हैं, जो विषय उससे नहीं जुड़ा है आप लगातार उस पर बोल रहे हैं। हमारे पीएम एक बिजनेसमैन के खिलाफ एक केस चल रहा है उसे लेकर दवाब में थे, या फिर एपस्टीन फाइल में आए नामों को लेकर दवाब में थे। जगदंबिका पालः देश ये भी देख रहा है कि प्रस्ताव कुछ और है। आरोप कुछ और हैं, जो विषय उससे नहीं जुड़ा है आप लगातार उस पर बोल रहे हैं। गौरव गोगोईः ऐसा तब भी हुआ जब राहुल गांधी बोल रहे थे। स्पीकर ने आधिकारिक दस्तावेज मांगे। वे मान गए। जैसे ही वो आगे आए ट्रेजरी बेंच से सारे मंत्री खड़े हो गए। उन्हें लगातार टोका गया। क्या वो नहीं चाहते कि वो सेना के बारे में जो कहें वो रिकॉर्ड में जाए।

एक पूर्व आर्मी चीफ की बात को रख रहे हैं तो गंभीरता से रख रहे होंगे। क्या उनकी किताब पब्लिश नहीं हुई तो उनकी आवाज झूठी है। गलत है। जगदंबिका पालः आप आज क्या कह रहे हैं। जो सदन का सदस्य नहीं उसका रिफरेंस दे रहे हैं। स्पीकर पर आरोप लगाए हैं उस पर क्यों नहीं बोलते। गौरव गोगोईः जब राहुल गांधी यह बात उठा रहे थे। सत्ता पक्ष से विरोध हो रहा था। उस वक्त संचालन स्पीकर कर रहे थे। इसलिए यह मोशन जब हम ला रहे हैं कि नेता विपक्ष को मौका नहीं मिलता, उसी बात को हम उठा रहे हैं। जगदंबिका पालः आप खुद कह रहे हैं किताब पब्लिश नहीं है। यानी वह पब्लिक डोमेन में नहीं है। इसके बाद पीठासीन पाल ने लोकसभा की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी।गौरव गोगोई ने कहा, हमने देखा जब एलोपी खड़े हुए बोलने के लिए तब 20 बार उन्हें टोका गया। गृह मंत्री, संसदीय मंत्री, रक्षा मंत्री बार बार राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान बोलने से रोका गया। वे केवल यह कहना चाहते थे कि जब सेना को देश के नेता की जरूरत थी तब उन्होंने कहा था कि जो करना है कर लो। उन्होंने कहा कि जो हम कह रहे हैं कि स्पीकर ने नेता विपक्ष को बोलने नहीं दिया। उन्हें बार बार टोका गया। वे कहते रहे कि जब देश की सीमा पर खतरा था, जब सेना को रक्षामंत्री और पीएम की जरूरत थी। तब उन्होंने तत्परता नहीं दिखाई। उन्हें घंटों रुकना पड़ा। हमारी सेना अनुशासित है, वह राजनैतिक लीडरशिप को देखती है। टैंक आ रहे थे। सेना गुहार लगा रही थी कि हमें बताएं क्या करना है। लीडरशिप कहती है जो करना है कर लो। मैं कहूंगा कि देश का नेतृत्व कमजोर है। बुजदिल है। जगदंबिका पाल ने कहा- यह मोशन स्पीकर के खिलाफ है आप वहीं तक सीमित रहेंगे। किरेन रिजिजू- मेरा अनुरोध है कि स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है। लेकिन आप उससे ऊपर नेतृत्व तक चले गए हैं। इसलिए जब हम बोलेंगे तो आपको सुनना पड़ेगा। गौरव ने कहा-जब भविष्य में यह देखा जाएगा कि संसद में सबसे ज्यादा व्यवधान किरेन रिजिजू ने ही किया।गौरव गोगोई ने कहा ने कहा, रेबिया केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जो स्पीकर और उसकी चेयर पर बैठने वाला पक्षपात नहीं करेगा। चर्चा की शुरुआत में आर्टिकल 96 से हुई। इसमें लिखा है कि अविश्वास प्रस्ताव के दौरान स्पीकर चेयर पर नहीं बैठ सकता। मैं पूछना चाहता हूं कि स्पीकर ने एक पैनल बनाया उसमें से कौन कौन चेयर पर बैठेगा, यह कैसे तय होगा। इसमें आपका नाम भी है कि आप स्पीकर की गैरमौजूदगी में स्पीकर की चेयर पर बैठेंगे यह किसने तय किया। जगदंबिका पाल ने कहा कि स्पीकर के ऑफिस को यह पावर है कि वे तय कर सकते हैं कि चेयरपर्सन पैनल में कौन होगा। अमित शाह ने बीच में टोका और कहा- सदन जब चुनाव में जाता है तब भी स्पीकर का ऑफिस चालू रहता है। यह पद खाली नहीं रहता है। गोगोई जो गलत मतलब निकाल रहे हैं मैं उसका खंडन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। जगदंबिका पाल ने कहा कि अगर हाउस डिसॉल्व भी हो जाता है तब भी स्पीकर का ऑफिस चालू रहता है। गौरव ने कहा- सदन के अंदर पहले भी तीन बार अविश्वास प्रस्ताव आया है। जब यह हुआ तब डिप्टी स्पीकर चेयर पर थे। आज विपक्ष के 200 सांसद होने के बावजूद यहां डिप्टी स्पीकर नहीं है। देश को पता चलना चाहिए कि सदन कैसे चल रहा है। माइक भी अस्त्र बन गया है। यह सुविधा के अनुसार सत्ता पक्ष को दिया जाता है। जबकि विपक्ष के नेता को बोलने ही नहीं दिया जाता। संसद के नियमों का उल्लंघन हो रहा है। यह रेजोलयूशन किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है। हमें खुशी नहीं है कि हम इसे लाए। क्योंकि ओम बिरला का हर किसी के साथ निजी तौर पर बहुत अच्छा है। लेकिन हम मजबूर हैं कि हमें यह प्रस्ताव लाना पड़ रहा है। लेकिन हमारा धर्म है संसद की मर्यादा को बचाना। क्योंकि हर सदस्य का कर्तव्य है कि संसद की गरिमा मर्यादा कानून को बचाए। यह निजी हमला नहीं है। देश के लोगों का विश्वास लोकतंत्र में कायम रहे इसलिए हम अविश्वास प्रस्ताव लाए हैं।

'रॉकेट बनाने का सामान' लेकर चीन से 2 जहाज रवाना,ईरान की मदद क्यों कर रहे जिनपिंग

नयी दिल्ली। ईरान की अलावा 4 मार्च को अमेरिकी नेवी की एक पनडुब्बी ने श्रीलंका के पास हिंद महासागर में ईरान के युद्धपोत IRIS Dena को एमके-48 टॉरपीडो से डुबो दिया। ये फ्रिगेट युद्धक्षेत्र से करीब 3 हजार किमी दूर था और जंग में शामिल भी नहीं था। फिर भी ऐसा हुआ। अमेरिकी थिंकटैंक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज में एशिया मैरीटाइम ट्रांसपिरेंसी इनिशिएटिव के डिप्टी डायरेक्टर हैरिसन प्रेटैट के मुताबिक, जंग शुरू होने के बाद से हॉर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद है। पहले रोजाना औसतन 153 जहाज गुजरते थे, लेकिन 1 मार्च के बाद से ये आंकड़ा 13 हो गया है। चीन तक के दर्जनों जहाज फारस की खाड़ी में फंसे हैं। यानी अगर शब्दीस और बर्जिन हॉर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़े तो अमेरिकी नेवी इन पर हमला कर सकती है। इस आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि अगर इन जहाजों पर लदा समान ईरान के लिए इतना अहम है तो फिर संभावना है कि IRGC की नेवल फ्लीट इन्हें एस्कॉर्ट करें। ऐसा हुआ तो अगले हफ्ते तक दोनों जहाज ईरानी बंदरगाहों तक सुरक्षित पहुंच सकते हैं। हाल ही में बंदर अब्बास पोर्ट की ओर जा रहे 3 ईरानी जहाजों- हमुना, अबियान और अर्जिन ने रास्ता बदला है। उन्होंने तय रास्तों से इतर खुले समुद्री रास्तों का इस्तेमाल किया। 7 मार्च को ये ईरान के पास मंडराते हुए दिखे। हालांकि इसको लेकर अमेरिका के डिफेंस डिपार्टमेंट 'पेंटागन', ट्रेजरी डिपार्टमेंट और व्हाइट हाउस ने कोई बयान जारी नहीं किया है। जंग के बीच में चीन की ओर से सोडियम परक्लोरेट की खेप ईरान भेजने के पीछे 4 बड़ी वजहें हो सकती हैं- ईरान को मिसाइलें कम न पड़ेः ईरान के पास बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के कच्चे माल की कमी हो गई है। चीन इस कमी को पूरा कर रहा है, ताकि ईरान का मिसाइल प्रोडक्शन न रुके और उसकी मारक क्षमता बनी रहे। 25 साल की साझेदारीः 2021 में चीन और ईरान के बीच 25 साल के लिए स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप हुई। इसके तहत चीन को सस्ता ईरानी तेल मिलता है। वहीं चीन उसे टेक्नोलॉजी और रॉ मटेरियल सप्लाई करता है। हथियार, जेट्स, गोला-बारूद वगैरह भी देता है। एनर्जी सिक्योरिटीः ईरान का 80फीसदी तेल चीन खरीदता है, वो भी सस्ते दाम पर। ये चीन की तेल खपत का करीब 15फीसदी है। अगर ईरान कमजोर पड़ा तो वहां अमेरिका का दबदबा बढ़ेगा और सत्ता बदल जाएगी। इससे चीन के तेल कारोबार और इकोनॉमी पर असर पड़ेगा। अमेरिका को उलझाए रखनाः चीन चाहता है कि अमेरिका मिडिल-ईस्ट के इस दलदल में लंबे समय तक फंसा रहे। अमेरिका का पूरा फोकस अगर मिडिल-ईस्ट में रहा, तो चीन अपने इलाके में दबदबा बढ़ाएगा और ताइवान कब्जाने की कोशिश करेगा। अमेरिकी थिंकटैंक वाशिंगटन इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो ग्रांट रमली के मानते हैं कि चीन के लिए ईरान केवल एनर्जी सोर्स नहीं, बल्कि रणनीतिक ढाल भी है। अगर ईरान से तेल सप्लाई रुकी, तो चीन की निर्भरता सऊदी अरब या रूस पर बढ़ेगी। ऐसा चीन नहीं चाहता। अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हुए हमले की चीन ने निंदा की थी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने सीजफायर करने और बातचीत से मामला सुलझाने की अपील की थी। ऐसे में चीनी खेप का ईरान के लिए रवाना होना सवाल उठता है कि क्या चीन खुलकर ईरान के साथ है? अमेरिकी थिंकटैंक कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में चाइना स्टडीज के सीनियर फेलो आइसैक कार्डन के मुताबिक, 'चीन इन जहाजों को कुछ और दिन पोर्ट पर रोक सकता था। उनकी वापसी में प्रशासनिक देरी कर सकता था। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। चीन सभी के सामने कहता है कि वो शांति चाहता है, लेकिन युद्ध के समय ऐसे फैसले ले रहा है।' ग्रांट रमली मानते हैं कि चीन ऐसा रुख असमान्य और साहसिक है। क्योंकि अभी ईरान खाड़ी देशों पर मिसाइले दाग रहा है। ऐसे समय में ईरान की मदद करने से चीन के अरब देशों से रिश्ते खराब होने की आशंका है। : चीन की ज्यादा दिलचस्पी इसमें नहीं है कि ईरान की मौजूदा सत्ता बनी रहे। वो ईरान और मिडिल ईस्ट में अपने निवेश सुरक्षित रखना चाहता है। उसकी एनर्जी सप्लाई प्रभावित न हो। चीन का आधा तेल मिडिल ईस्ट से आता है। वो सउदी अरब, कुवैत, इराक, ईरान और यूएई से तेल खरीदता है। चीन को चिंता है कि ईरान पूरे मिडिल ईस्ट में रीजनल वॉर छेड़ देगा। इससे खाड़ी देशों से आने वाला तेल प्रभावित होगा। यहां चीन का काफी निवेश है। ईरान के हमलों से इन्हें भी नुकसान होगा।इसके अलावा चीन ने खुद को दुनिया के समाने अमेरिका का ऑप्शन बताया है। दोनों का टकराव किसी से छिपी नहीं है। मिडिल-ईस्ट में चीन ने ईरान से रिश्ते इसलिए बनाए क्योंकि अमेरिका के बाकी अरब देशों से मजबूत हैं और ईरान उसके लिए सबसे बड़ी दिक्कत है। हालांकि चीन कभी खुलकर अमेरिका की निंदा नहीं करता, बल्कि उससे डिप्लोमैटिक रिश्ते बनाकर चलता है। अगले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चीन का दौरा करने वाले हैं। ईरान जंग के चलते अमेरिका की मिलिट्री और फंड्स मिडिल-ईस्ट में शिफ्ट हो गए हैं। चीन यही चाहता है। ब्रिटिश थिंकटैंक चैटम हाउस में मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका प्रोग्राम के असोसिएट फेलो अहमद अबूद के मुताबिक, 'चीन, ईरान की मिसाइल और ड्रोन स्ट्रैटजी मजबूत करने के लिए जरूरी तकनीक साझा कर सकता है। वो अमेरिका और चीन के मौजूदा रिश्ते खराब किए बिना ईरान की मदद करना चाहता है, जिससे उसके लॉन्ग टर्म गोल पूरे हो सकें।'

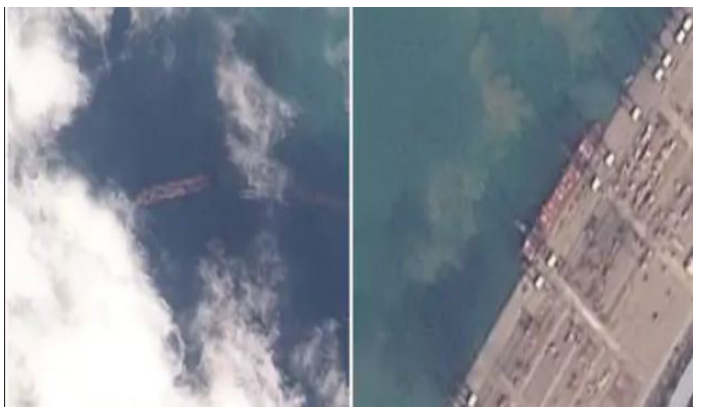

केशव के जिस हेलिकॉप्टर से धुआं उठा वो 18 साल पुराना,3 साल से मरम्मत तक नहीं हुई

लखनऊ। अफसरों ने बताया- केशव मौर्य का हेलिकॉप्टर बेल 412ईपी नागरिक उड्डयन विभाग के बेड़े में शामिल सबसे पुराने हेलिकॉप्टरों में से एक है। 2008 में सिंगापुर की बेल हेलिकॉप्टर टेक्सट्रॉन से खरीदा गया था। इसकी मरम्मत और ओवरहॉलिंग के काम 2023 में किए गए थे। तब 2 मेन रोटर ब्लेड पार्ट बदले गए थे। इस पर 99 लाख 99 हजार 528 रुपए का खर्चा आया था। इसके बाद इस हेलिकॉप्टर की मरम्मत होने की कोई जानकारी नहीं है। अखिलेश यादव ने 7 मार्च को सपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उनसे इमरजेंसी लैंडिंग को लेकर भी सवाल किया गया। उन्होंने जवाब दिया- लगता है केशव मौर्य को नया वाला हेलिकॉप्टर नहीं मिला। इसके बाद भास्कर ने जानने का प्रयास किया कि यूपी में नया हेलिकॉप्टर किसके लिए खरीदा गया है? सामने आया कि यूपी की राज्य सरकार ने हाल में एक आधुनिक हेलिकॉप्टर अगस्ता एडब्लू 139 खरीदा है। इसकी कीमत 120 से 130 करोड़ के बीच बताई जा रही है। यह हेलिकॉप्टर इटली की मेसर्स लियोनार्डो से खरीदा गया था। फिलहाल इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ और दूसरे वीवीआईपी मेहमान उड़ान भर रहे हैं। इस हेलिकॉप्टर के लिए कैप्टन अक्षय जासवाल, अमित भूटानी और राजेश कुमार शर्मा को क्रिटिकल इमरजेंसी ट्रेनिंग दी गई है। इस ट्रेनिंग पर करीब 50 लाख रुपए से ज्यादा खर्च हुए हैं। यह दुनिया के सबसे सुरक्षित हेलिकॉप्टरों में से एक माना जाता है। यूपी के पुराने आईएएस अधिकारियों से बात करने के बाद सामने आया कि बसपा के शासन 2007 से 2012 के बीच सबसे ज्यादा हेलिकॉप्टर और विमान खरीदे गए थे। 1995 में यूपी सरकार ने पहला हेलिकॉप्टर बेल 230 खरीदा था। उस समय मायावती ही मुख्यमंत्री थीं। 2008 में हेलिकॉप्टर बेल 412 ईपी खरीदा गया। 2009 में विमान वीटी यूपीएम हॉकर 900 एक्सपी जेट टाइप खरीदा गया। 2010 में विमान विटी यूपीएल अगस्ता ए-109 ए भी मायावती सरकार में खरीदा गया। 2026 में लखनऊ एयरपोर्ट के हैंगर (पार्किंग) में राज्य सरकार के 5 हेलिकॉप्टर और 3 विमान खड़े हैं। पायलट की ट्रेनिंग पर करोड़ों रुपए खर्च- नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारी बताते हैं- सरकार हेलिकॉप्टर्स और विमान की सेफ्टी से समझौता नहीं करती है। समय-समय पर उनकी मरम्मत और ओवरहॉलिंग के साथ पायलट्स की क्रिटिकल इमरजेंसी ट्रेनिंग और इंस्ट्रूमेंट फ्लाइट ट्रेनिंग कराई जाती हैं। एक-एक पायलट की ट्रेनिंग पर लाखों रुपए खर्च होते हैं। यूपी सरकार के पास करीब 10 पायलट हैं, सभी संविदा पर काम करते हैं। सरकार में लंबे समय से स्थाई पायलट की भर्ती नहीं हुई है। जो पायलट हेलीकॉप्टर और विमान उड़ा रहे हैं, उनमें कैप्टन सुनील कोरा, कैप्टन सुनील श्रीवास्तव, कैप्टन जीएस पड?ा, कैप्टन अमित कुमार भूटानी, कैप्टन एसके गिरी, कैप्टन अनूप श्रीवास्तव, कैप्टन दीपक श्रीवास्तव, कैप्टन अक्षय जासयवाल और कैप्टन राजेश कुमार शर्मा शामिल हैं। ब्यूरोक्रेसी ने ऐसी व्यवस्था बनाई कि स्थाई पायलट की भर्ती ही नहीं हुई- बसपा सरकार के कार्यकाल में सीएम मायावती ने अपने स्टेट पायलट शशांक शेखर को सरकार में कैबिनेट सचिव बनाया था। जानकार बताते हैं कि शशांक शेखर ने खुद को बेहतरीन पायलट होने के साथ कुशल प्रशासक भी साबित किया। उस समय के सभी प्रमुख सचिव, सचिव, डीएम उन्हें ही रिपोर्ट करते थे, सख्त कार्यशैली के कारण उनकी हनक भी थी। हालांकि, अंदरखाने में आईएएस और पीसीएस अफसरों को यह नागवार गुजरता था कि एक पायलट उन पर शासन कर रहा है। यही कारण है कि ब्यूरोक्रेसी ने उसके बाद ऐसी व्यवस्था बनाई कि नए पायलट की स्थाई भर्ती ही नहीं हुई। 7 मार्च को केशव के हेलिकॉप्टर ने लखनऊ के ला मार्टिनियर स्कूल ग्राउंड से उड़ान भरी थी। यह ग्राउंड उनके आवास के पास ही है। हेलिकॉप्टर में केशव समेत 6 लोग थे- दो पायलट, एडवाइजर, एक क्लास फोर का स्टाफ और सिक्योरिटी। 2000 फीट की ऊंचाई पर पायलट को हेलिकॉप्टर में गड़बड़ी का पता चला। हेलिकॉप्टर के अंदर धुआं भरने लगा। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से परमिशन लेकर तुरंत विमान लखनऊ की तरफ मोड़ा। पायलट ने जैसे-तैसे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बीच हेलिकॉप्टर को लखनऊ एयरपोर्ट में उतारा। शुरुआती जांच में पता चला है कि हेलिकॉप्टर के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में कुछ समस्या थी। 1 घंटे बाद केशव प्रसाद मौर्य ने दूसरे हेलिकॉप्टर से कौशांबी के लिए उड़ान भरी। वहां पहुंचकर उन्होंने कहा- 'हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई थी, इसलिए मुझे वापस लौटाकर उतारना पड़ा। बाद में दूसरा हेलिकॉप्टर लेकर यहां (कौशांबी) आया हूं। भोलेनाथ की कृपा से सब ठीक है।

क्या बिहार से अलग होगा सीमांचल,केंद्र ने इनकार किया, फिर भी चर्चा क्यों

नीतीश कुमार को इसलिए तो नहीं हटाया जा रहा

पटना। ओडिशा, झारखंड के अलग होने के बाद क्या बिहार का एक बार फिर बंटवारा होगा। अमित शाह के दौरे, नए राज्यपाल की नियुक्ति और मुख्यमंत्री बदले जाने की खबर के बीच सीमांचल इलाके में उबाल है। अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने ऐसे किसी भी तरह के प्रस्ताव से इनकार किया है। साथ ही इन चर्चाओं को अफवाह करार दिया है। लेकिन सियासत में कई चालें ऐसी होती हैं, चली पहले जाती है...बताई बाद में जाती हैं। 25 से 27 फरवरी तक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सीमांचल के दौरे पर थे। उन्होंने बॉर्डर से जुड़ी सुरक्षा की समीक्षा बैठक की। इस दौरे के बाद 28 फरवरी को छह विधायक तौसिफ आलम ने कहा कि केंद्र सरकार सीमांचल और बंगाल के कुछ एरिया को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने जा रही है। हम ऐसा नहीं होने देंगे। 5 मार्च की शाम केंद्र सरकार ने बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को हटाकर सेना से रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन को बना दिया। साथ ही पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में आईबी से जुड़े पूर्व अफसर आरएन रवि को राज्यपाल बना दिया। इसी दिन नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने का ऐलान किया। मतलब अब वह मुख्यमंत्री पद छोड़ रहे हैं। दोनों राज्यपालों की नियुक्ति और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विदाई ने सीमांचल के अलग प्रदेश बनने की चर्चाओं में वजन डाल दिया। 6 मार्च को पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने एक्स पर लिखा, 'पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू कर बिहार विधानसभा से प्रस्ताव पारित कराकर सीमांचल और मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर आदि जिलों को मिलाकर एक केंद्र शासित प्रदेश बनाने का खेल बीजेपी करने वाली है। नीतीश जी को हटाने और लेफ्टिनेंट जनरल राज्यपाल लाने के पीछे यह खेल है।' इन चर्चाओं के बीच 7 मार्च को केंद्र सरकार की सफाई आई। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा, 'बिहार और बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की कोई योजना नहीं है और इसमें कोई सच्चाई नहीं है।' 'पूर्णिया सांसद लोगों को गुमराह करने के लिए इस तरह के अफवाह फैला रहे हैं इसलिए मैं बताना चाहता हूं कि पप्पू यादव की बातें तथ्य से पूरी तरह परे हैं।' 'पप्पू यादव की इस बात को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। लोगों को गुमराह करने की बात पप्पू यादव को नहीं करनी चाहिए।' नया राज्य बनाने का नियम-संविधान के अनुच्छेद-3 के तहत अलग राज्य के गठन का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। वह किसी भी राज्य का क्षेत्र बढ़ा या घटा सकती है, सीमाएं बदल सकती है। वह राज्य का नाम भी बदल सकती है। इसके लिए पहले विधानसभा नए राज्य के गठन का प्रस्ताव पास करती है। फिर इसे राष्ट्रपति को भेजती है। इस पर केंद्र कदम उठा सकता है। गृह मंत्री संसद में नए राज्य के गठन का प्रस्ताव पेश करते हैं। इसमें यह भी तय होता है कि नए राज्य में कितने जिले, विधानसभा और लोकसभा सीटें होंगी। इसलिए बनाए जाते हैं केंद्र शासित प्रदेश-किसी क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के पीछे उन क्षेत्रों का छोटा आकार, कम जनसंख्या, अन्य राज्यों से दूरी, अलग संस्कृति कारण होती है। फिलहाल 8 केन्द्र शासित प्रदेशों में अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप भारत की मुख्य भूमि से बहुत दूर हैं। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इन द्वीपों पर आपातकालीन स्थिति में केन्द्र सरकार ही बेहतर कार्यवाही कर सकती है। राज्य सरकार से ऐसी उम्मीद नहीं कर सकते। वहीं, दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव में पुर्तगाली और पुडुचेरी में फ्रेंच संस्कृति का असर ज्यादा है। दिल्ली देश की राजधानी है और चंडीगढ़ प्रशासनिक रूप से महत्वपूर्ण है। फिलहाल देशभर में 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं- दिल्ली, पुडुचेरी, लक्ष्यद्वीप, लद्दाख, जम्मू और कश्मीर, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और चंडीगढ़।सीमांचल (अररिया, कटिहार, किशनगंज और पूर्णिया) बिहार का उत्तर-पूर्वी हिस्सा है, जो नेपाल और बांग्लादेश की सीमा से सटा है। पड़ोसी दोनों देशों में हाल के सालों में भारत विरोधी ताकतें मजबूत हुईं हैं। इससे बॉर्डर पर घुसपैठ का खतरा बढ़ गया है। बंगाल और सीमांचल के जिस इलाके को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की बातें हो रही हैं, वह सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास है। जिसे आमतौर पर 'चिकन नेक' कहा जाता है। चिकन नेक भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली बेहद संकरी जमीन (22 किलोमीटर) है। यह कभी-कभी राजनीतिक उथल-पुथल और सुरक्षा की नजर से भी किसी क्षेत्र को केन्द्र शासित प्रदेश बनाया जा सकता है, जैसा कि जम्मू-कश्मीर के मामले में कहा जा सकता है। स्थिति 1947 के विभाजन के समय बनी थी। देश को तोड़ने वाली ताकतें इसी चिकन नेक को ब्लॉक करने की बातें करती रहती हैं। जैसे- देशद्रोह के आरोप में जेल में बंद शरजील इमाम 2019 में कह चुका है- 'अगर हम असम की मदद करना चाहते हैं, तो हमें भारतीय सेना और सप्लाई के लिए असम का रास्ता रोकना होगा। चिकन नेक मुसलमानों का है।' बिहार के नए राज्यपाल बने लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (रि) से भास्कर ने कुछ महीने पहले चिकन नेक पर खतरे के संबंध में बात की थी। तब उन्होंने कहा था- चिकन नेक कॉरिडोर पर खतरा बढ़ा है। हालांकि, वे सेना का इस्तेमाल करके कॉरिडोर के इलाके को बढ़ाने की जरूरत से इनकार करते हैं। इसकी बजाय वे कूटनीति और गैर-सैन्य तरीकों से इसकी सुरक्षा पर जोर देते हैं। सीमांचल बिहार का सबसे पिछड़ा इलाका है। साक्षरता दर 51-55फीसदी के बीच है, जो बिहार के औसत से करीब 20फीसदी कम है। चारों जिलों में प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम है। 23,000- 30,000 महीने। जो राज्य के औसत 76,000 से आधी से भी ज्यादा कम है। राजधानी पटना से 5 गुना कम। ऑफिशियल तौर पर नीतीश कुमार ने कहा- मेरी बहुत दिनों से राज्यसभा जाने की इच्छा थी, इसलिए अब राज्यसभा जा रहे हैं। हालांकि, नीतीश कुमार के इस तर्क पर राजनीतिक गलियारे में सवाल उठ रहे हैं। मुख्य तौर पर नीतीश की विदाई के पीछे उनकी स्वाथ्य संबंधी दिक्कतें हैं। बताया जा रहा कि शाह ने सीमांचल दौरे के दौरान बिहार सरकार के कामकाज का फीडबैक लिया था। इसमें यह बात सामने आई कि राज्य सरकार अफसरों की एक लॉबी के सहारे चल रही है। अफसर ही सब निर्णय ले रहे हैं। बंगलादेश और नेपाल में भारत विरोधी ताकतों के मजबूत होने के बाद बिहार की सीमा की सुरक्षा से संबंधित फैसलों को अफसरों के भरोसे छोड़ना ठीक नहीं था। यही कारण है कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद छोड़ने के लिए मनाया गया।

लाइव कॉन्सर्ट में रो पड़ीं सुनिधि चौहान,फैंस से मांगी माफी कहा- 100% देना चाहती थी

गले में खराश की वजह से आवाज खराब हुई

लखनऊ। भारत की मशहूर सिंगर सुनिधि चौहान इन दिनों अपने इंडिया म्यूजिकल टूर पर हैं। इसी दौरान लखनऊ में हुए

एक कॉन्सर्ट में वे स्टेज पर रो पड़ीं। तबीयत खराब होने और गले में गंभीर समस्या के बावजूद सुनिधि परफॉर्मेंस देने पहुंची थीं, लेकिन आवाज साथ नहीं देने पर उनकी आंखों से आंसू निकल आए। सुनिधि ने हजारों की भीड़ के सामने अपनी खराब परफॉर्मेंस के लिए माफी भी मांगी।

7 मार्च को लखनऊ के कूलब्रीज रिसॉर्ट्स में सुनिधि का 'आई एम होम इंडिया टूर 2025-26 का इवेंट था। सुनिधि ब्लैक कलर के बॉडीसूट में स्टेज पर आईं, लेकिन गले में खराश के कारण उन्हें गाने में काफी दिक्कत हो रही थी।

अब उनके रोने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि सुनिधि गाते-गाते रुक जाती हैं और रोने लगती हैं।

हालांकि, फैंस ने उनका हौसला बढ़ाने के लिए लगातार चीयर किया।

सुनिधि ने स्टेज से फैंस को संबोधित करते हुए कहा, 'मेरा गला बहुत खराब है।

आज मेरी आवाज बहुत ज्यादा खराब है, लेकिन मुझे पता है कि आप मेरे साथ हैं। मेरे साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, यह बहुत शर्मनाक है। मुझे बहुत खेद है, मैं हमेशा अपना 100इ देना चाहती हूं।

' सुनिधि ने आगे कहा कि वे कोशिश कर रही हैं, लेकिन शायद परफॉर्मेंस वैसी न हो पाए जैसा उन्होंने सोचा था।

सुनिधि का यह 'आई एम होम' इंडिया टूर 24 दिसंबर 2025 को मुंबई से शुरू हुआ था।

इसके तहत वे अब तक दिल्ली, बेंगलुरु, अहमदाबाद और चेन्नई जैसे बड़े शहरों में लाइव शो कर चुकी हैं।

लखनऊ के इस कॉन्सर्ट को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड थे, लेकिन सुनिधि की खराब सेहत ने इस शाम को मुश्किल बना दिया।

सुनिधि चौहान पिछले 20 सालों से बॉलीवुड की टॉप सिंगर्स में शामिल हैं।

उन्होंने 'शीला की जवानी', 'कमली' और 'बीड़ी जलइले' जैसे कई सुपरहिट गाने दिए हैं।

सुनिधि की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में हितेश सोनिक से शादी की थी और 2018 में उनके घर बेटे का जन्म हुआ।

शादी के बाद इमोशनल हुईं रश्मिका मंदाना,सोशल मीडिया पोस्ट पर रिएक्ट किया

मुंबई। साउथ और बॉलीवुड एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना एक

सोशल मीडिया नोट को पढ़कर भावुक हो गईं। ये नोट रश्मिका और विजय देवरकोंडा के प्यार

पर लिखा गया था। एक्ट्रेस ने एक्स पर अपनी भावनाएं जाहिर करते हुए बताया कि इस नोट ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया है। उन्होंने फैंस को सलाह भी दी कि जीवन में ऐसा प्यार तलाशें जो आपको बंधन में नहीं, बल्कि आजादी का अहसास कराए। 9 मार्च को एक फैन ने विजय और रश्मिका की शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए उन्हें इस 'स्वार्थी युग' में सच्चे प्यार की मिसाल बताया था। नोट में लिखा था कि रश्मिका जिस तरह से विजय को देखती हैं, वह प्रशंसा और प्यार का सबसे ईमानदार सबूत है। इसे पढ़कर रश्मिका खुद को रोक नहीं पाईं और माना कि लंबे समय बाद किसी बात ने उन्हें इतना इमोशनल किया है। एक्ट्रेस ने भावुक होकर लिखा, 'मेरे बारे में लिखी गई किसी चीज ने मुझे लंबे समय बाद इतना प्रभावित नहीं किया। मैं बहुत कुछ कहना चाहती हूं लेकिन शब्द कम पड़ रहे हैं। मैं अपनी जगह तलाश रही हूं और इस सफर के लिए आभारी हूं। प्यार के बारे में सिर्फ यही कहूंगी कि उस प्यार को ढूंढो, जो तुम्हें आजाद कर दे।' एक्ट्रेस ने उस यूजर का शुक्रिया भी अदा किया जिसने उनके और विजय के रिश्ते की गहराई को इतनी खूबसूरती से पहचाना। रश्मिका और विजय ने 26 फरवरी 2026 को उदयपुर के लग्जरी होटल आईटीसी मेमेंटोस में शादी की थी। इस इंटीमेट सेरेमनी में सिर्फ परिवार और खास दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी में दो संस्कृतियों का संगम दिखाविजय की तेलुगू रस्में और रश्मिका की कोडावा (कूर्गी) परंपरा। इसके बाद 4 मार्च को हैदराबाद में रिसेप्शन दिया गया था, जिसमें साउथ फिल्म इंडस्ट्री के तमाम बड़े सितारे और कर्नाटक के डिप्टी सीएम भी पहुंचे थे।

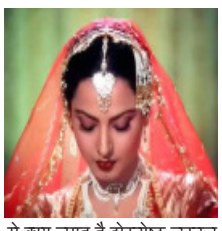

इन आंखों की मस्ती के मस्ताने हज़ारों हैं... उमराव जान में अगर रेखा न होती! जानें फिल्म की कुछ बड़ी बातें

नयी दिल्ली। नजाकत, मोहब्बत और एवरग्रीन म्यूजिक का नॉस्टेल्जिया फिर से... पीवीआर-आईनॉक्स ने रेखा और मुजफ्फर अली की उमराव जान

की री-रिलीज की घोषणा करते हुए यही लिखा है. इस फिल्म को नेशनल हेरिजेट मिशन के तहत डिजिटली रिवाइव करके 27 जून को दोबारा रिलीज किया जा रहा है. इस उम्मीद के साथ कि इस अंजुमन में आपको आना है बार बार...कहते हैं गुज़रा हुआ जमाना दोबारा नहीं आता लेकिन मुजफ्फर अली और रेखा की उमराव जान की री-रिलीज की सूचना से मानो नॉस्टेल्जिया लौट आया. गाने तो खूब देखे-सुने होंगे- इन आंखों की मस्ती के मस्ताने हज़ारों हैंष्ठ दिल चीज़ क्या है आप मेरी जान लीजिएष्ठ

ये क्या जगह है दोस्तोष्ठ जुस्तजू जिसकी थीष्ठ ये सभी गाने शहरयार ने लिखे थे, संगीत दिया था खय्याम ने और गाया था- आशा भोंसले ने. और जब कैमरे पर रेखा ने अपनी उम्दा अदायगी में उस अल्फाज, मौसिकी और आवाज पर दिलकश पेशकश दी तो एक तारीकी क्लासिकी वजूद में आई. उस वजूद की हस्ती आज तक बरकरार है. ये गाने जब भी कानों में गूंजते हैं, रेखा की हर लकीर आंखों में खिंच जाती है. अवध की वो शान चमक उठती है, अदब की दुनिया में जिसकी अपनी-सी मिसाल है.फिल्मों के इतिहास में ऐसे मौके कभी-कभार ही आए हैं, जब सभी आर्ट फॉर्म एक-दूसरे से मुकम्मल तौर पर गूंथे दिखाई दिए. हर कलाकार ने अपना-अपना बेहतर दिया हैं. रेखा की उमराव जान फिल्म में ऐसा ही देखा. करीब चौवालीस साल के बाद एक बार फिर उमराव जान की वही अदाएं सिल्वर स्क्रीन पर दिखने वाली हैं. पीवीआर आईनॉक्स 27 जून शुक्रवार को इसे री-रिलीज करने जा रहा है. इस दिन एक खास जलसा भी रखा गया है. री-रिलीज करने के लिए फिल्म के प्रिंट को डिजिटली समृद्ध किया गया है. इसे 4के क्वालिटी में री-रिलीज किया जा रहा है ताकि आज की पीढ़ी के दर्शकों में दिलचस्पी जागे. री-रिलीज के मौके पर उमराव जान फिल्म की मेकिंग से जुड़ी एक कॉफी टेबुल बुक भी लॉन्च होगी. इस किताब में फिल्म से जुड़ी हरेक चीज़ मसलन पोशाकें, फोटोग्राफी, लोकेशन, सेट और पर्दे के पीछे की तमाम कहानियां होंगी.हाल के समय में कई फिल्मों को दोबारा रिलीज किया गया है. लेकिन उमराव जान की री-रीलीज में सरकारी विभागों मसलन नेशनल फिल्म आर्काइव ऑफ इंडिया और नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने भी खासी पहल की है. भारतीय सिनेमा की धरोहर मानते हुए संरक्षण के लिए इसे रिवाइव किया गया है. फिल्म को राष्ट्रीय विरासत मिशन का हिस्सा बनाया गया है. इसकी कालजयिता को सुरक्षित रखने का ध्येय है, जिसमें आने वाली पीढ़ियां शिद्दत से बनाए गए इस सिनेमा के आर्ट और खासतौर पर अवध की मिली-जुली संस्कृति को देख समझ सके.फिल्म में रेखा के अलावा फारुख शेख, नसीरुद्दीन शाह, राज बब्बर, प्रेमा नारायण, दीना पाठक, भारत भूषण, लीला मिश्रा, युनुस परवेज़ और सतीश शाह जैसे कलाकारों ने अभिनय किया था. नवाब सुल्तान के तौर पर फारुख शेख, गौहर मिर्जा के तौर पर नसीरुद्दीन शाह और फ़ैज अली के तौर पर राजबब्बर की भूमिकाएं भी आज खूब याद की जाती है. फिल्म जितनी आर्थिक कठिनाइयों से बनी उतनी ही कठिनाइयां रिलीज के बाद भी सामने आईं लेकिन इसका निर्माण और निर्देशन इस क्वालिटी का था कि इसका हिस्सा बबने वाले सारे कलाकार आज भी याद किए जाते हैं.उमराव जान की ऐतिहासिकता के प्रमाण पर बहस अलग मुद्दा है लेकिन मुजफ्फर अली ने हादी रुसवा के नॉवेल पर आधारित इस फिल्म के जरिए जिस कल्चर को दिखाने का प्रयास किया वह इस फिल्म का सबसे बड़ा रसायन है, जिसमें समूचा हिंदुस्तान बसता है. फिल्म में जब उस्ताद खान साहब उमराव को क्लासिकल संगीत और नृत्य की तालीम देते हैं और गाते हैं- प्रथम धर ध्यान दिनेशष्ठ ब्रह्मा विष्णु महेशष्ठ तो इस रसायन को समझा जा सकता है. फिल्म में ऐसे अनेक नज़ीर हैं. ये कुछ ऐसा ही है जैसे कि मुगले आजम में अनारकली गाती है- मोहे पनघट पर छेड़ गयो नंदलाल रेष्ठ उमराव जान फिल्म मुगले आजम ही नहीं बल्कि मदर इंडिया, साहब बीबी और गुलाम या पाकीजा की तरह ही हिंदी की क्लासिक फिल्मों में अपना खास स्थान रखती है. कमाल अमरोही के निर्देशन में सन् 1972 में आई मीना कुमारी की पाकीजा से कमतर न थी उमराव जान. इन्हीं खासियतों की वजह से उमराव जान को चार नेशनल अवॉर्ड्स मिले थे. रेखा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, खय्याम को सर्वश्रेष्ठ संगीतकार, आशा भोंसले को सर्वश्रेष्ठ गायिका और मंजूर को सर्वश्रेष्ठ कला निर्देशक का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला. हालांकि खुद मुजफ्फर अली नेशनल अवॉर्ड पाने से चूक गए. उन्हें इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला. उनके साथ रेखा और खय्याम को भी फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला.उमराव

जान के री-रिलीज से पूर्व फिल्म के निर्माता-निर्देशक मुजफ्फर अली ने एएनआई से एक खास बातचीत में रेखा के बारे में खुल कर अपने दिल की बातें कही हैं. उन्होंने कहा कि कोई भी कला दिल की गहराइयों से उम्दा हो पाती है. रेखा ने उमराव के किरदार को कला के उसी शिखर को छूने का काम किया. रेखा का वह किरदार निभाना एक सपने के सच होने जैसा ही था. रेखा न होती तो उमराव जान की आत्मा पर्दे पर साकार न होती. उन्होंने कहा कि रेखा भी मेरे साथ सपने देख रही थी. फिल्म की शूटिंग के दौरान अक्सर ऐसा होता, जिसे मैं सोच पाता, रेखा पहले से ही उस पर काम कर रही होती थी. मुझे गर्व है कि वह मेरी उम्मीदों से कहीं बढ़कर उमराव बनी. फिल्म का सबसे अहम पक्ष ये था उमराव के दर्द को समझना और उसे पर्दे पर उभारना. उस हिसाब से रेखा ने केवल किरदार नहीं निभाया, वह उमराव ही बन गईं. उनके अभिनय में दर्द और कलात्मकता का अनोखा संगम दिखा.इतिहास में उमराव जान नाम की कोई गायिका, नर्तकी या शायरा थी या नहीं, इसको लेकर एक राय नहीं है. उमराव जान की कहानी भी अनारकली की तरह ही सवालों और संदेहों में रही है. फिर भी बहुत से लोगों का मानना है कि उमराव जान वास्तव में थी. इसका आधार 1904 में लिखा मिर्जा मोहम्मद हादी रुसवा लिखा उपन्यास है. इसे उर्दू का पहला उपन्यास भी माना जाता है. जब मुजफ्फर अली ने सन् 1981 में हादी रुसवा के लिखे उपन्यास पर आधारित फिल्म बनाई तब भी यह सवाल उठा था कि उमराव जान कौन थी? तब इस फिल्म के लेखक जावेद सिद्दीकी ने कहा था कि उनकी फिल्म यह नहीं बताती कि उमराव जान थी या नहीं, यह तो उर्दू से बहुत ही पॉपुलर नॉवेल पर बनी थी. जहां तक उमराव जान के अस्तित्व की बात है कि इस संबंध में हमेशा से दो राय रही है. वैसे मेरा मानना है कि उनका कभी कोई अस्तित्व में नहीं था. अगर होता तो कहीं ना कहीं कब्र भी होती. रुसवा की किताब इतनी मशहूर हुई कि सभी को लगा कि उमराव जान एक वास्तविक चरित्र है.मिर्जा मोहम्मद हादी रुसवा पेशे से एक शिक्षक और लेखक भी थे. उनका जन्म सन् 1857 में हुआ था. उन्होंने कुल पांच उपन्यास लिखे. इसमें उन्होंने एक निम्न मध्यम वर्गीय परिवार की लड़की अमीरन की कहानी लिखी, जिसका बचपन में अपहरण कर लिया जाता है और उसका नाम बदलकर उमराव जान रख दिया जाता है. हादी रुसवा को इस उपन्यास से काफी प्रशंसा मिली. उनका निधन 1931 में हुआ था. निधन से पहले हैदराबाद में बस गए थे. उमराव जान पर कई फिल्में बन चुकी हैं. सबसे पहली फिल्म 1958 में आई थी, जिसका नाम था मेहंदी. उसके बाद 1975 में जिंदगी और तूफान आई. फिर मुजफ्फर अली ने 1981 सबसेअलग फिल्म आई, इसके बाद 2006 में जेपी दत्ता ने इसी नाम से फिल्म बनाई, जिसमें अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय ने मुख्य भूमिका निभाई थी. लेकिन अभी तक जितनी भी फिल्में उमराव जान पर आधारित बनी है, उनमें मुजफ्फर अली की फिल्म ही सबसे बेहतर मानी गई. वह नॉवेल जितना क्लासिक था, यह फिल्म भी उतनी ही क्लासिक बनी.

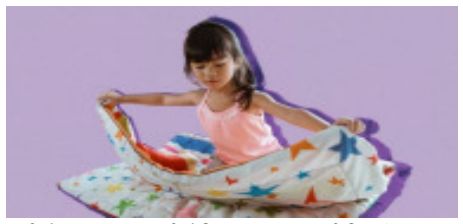

9 साल की बेटी अलग कमरे में नहीं सोती,डरती और रोती है, उसे इंडीपेंडेंट कैसे बनाएं, हमसे अलग सोने की आदत कैसे डालें

नयी दिल्ली। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर से सवाल जवाब के माध्यम से. सवाल- मैं इंदौर का रहने वाला हूं। मेरी 9 साल की बेटी है। वह रात में अकेले सोने से

डरती है। वह अक्सर कहती है कि उसे अंधेरे से डर लगता है और वह सपना देखती है कि हम कहीं चले गए हैं। हमारा मानना है कि अब वह बड़ी हो गई है और उसे अलग कमरे में सोने की आदत डालनी चाहिए ताकि वह आत्मनिर्भर बन सके। हम उसकी भलाई चाहते हैं। लेकिन हमारे लिए यह तय कर पाना मुश्किल हो गया है कि आखिर किस उम्र में बच्चे को अकेले सोने के लिए तैयार करना चाहिए। हमारा डर यह भी है कि कहीं उसे अकेलापन न महसूस हो या यह बदलाव उसके आत्मविश्वास को नुकसान न पहुंचा दे। कृपया मेरा मार्गदर्शन करें। जवाब- आपकी चिंता स्वाभाविक है। बहुत से पेरेंट्स को इस स्थिति का सामना करना पड़ता है। हालांकि इसमें बहुत चिंता करने की बात नहीं है। आपकी बेटी 9 साल की उम्र में भी आपके साथ ही सो रही है या रात में अकेले सोने से डरती है तो इसका मतलब है कि वह बचपन से ही आपके पास सोती आ रही है। यह उसके लिए सुरक्षा, सुकून और प्यार का प्रतीक बन चुका है, जो एक स्वाभाविक और सुंदर अनुभव है। लेकिन अब समय है कि प्यार के साथ-साथ उसमें धीरे-धीरे स्वतंत्रता के बीज भी बोए जाएं। हेल्दी पेरेंटिंग का मतलब है 'प्यार और स्वतंत्रता का संतुलन' बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते हैं, खुद से खाना सीखते हैं, पॉटी-सुसु बताने लगते हैं, स्कूल जाते हैं और पानी की बोतल से खुद पानी पीना सीखते हैं। ये छोटी-छोटी चीजें आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता के संकेत हैं। वह समय के साथ छोटे-छोटे काम खुद से करना सीखते हैं, जबकि बचपन में ये सारे काम कोई बड़ा उनके लिए कर रहा था। इसी तरह से अकेले सोना भी उस स्वतंत्रता की दिशा में एक कदम है। बच्चे को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाना जरूरी- अगर बच्चे बढ़ती उम्र में भी हर काम के लिए पेरेंट्स पर निर्भर रहते हैं तो इसका मतलब है कि अब तक के पालन-पोषण में कुछ कमी रह गई है। कुल मिलाकर इस समय उन्हें

स्वतंत्रता देने की जरूरत है। छोटे-छोटे कामों से इसकी शुरुआत करें। बच्चे की क्षमता के अनुसार जितने काम उसके दायरे में आते हैं, वे काम करने के लिए उसे प्रेरित करें। चाहे वह घर के काम हों या उसके खुद के काम। जैसेकि 'पानी का गिलास ला दो', 'अखबार दे दो' और 'ये पैकेट डस्टबिन में फेंक दो' वगैरह-वगैरह। ये काम देखने में छोटे लग सकते हैं, लेकिन इनसे बच्चा महसूस करता है कि वह परिवार का एक अहम हिस्सा है। जब वह कोई काम खुद करता है तो उसकी तारीफ करें और कहें, 'वाह! अब तो तुम बड़े हो गए हो।' इससे वह स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारी लेना शुरू करता है। बच्चे में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए कुछ और कदम उठा सकते हैं। कई बार माता-पिता प्यार में ऐसा व्यवहार करने लगते हैं, जो अनजाने में बच्चे को बहुत ज्यादा डिपेंडेंट बना देता है। जैसेकि- खाना भी मां ही खिलाएं, कपड़े भी मां ही पहनाएं, सामान भी कोई और उठाए, जिस चीज की जरूरत हो उसे बोलने से पहले ही पूरा कर दिया जाए। ऐसे में बच्चा हर छोटी-बड़ी चीज के लिए दूसरों पर निर्भर रहना सीख जाता है। इससे वह न जिम्मेदारी सीखता है, न निर्णय लेना, न धैर्य, न आत्मविश्वास। वह हर काम में किसी और की मदद ढूंढ़ने लगता है। इसलिए पेरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चे को बचपन से ही अपने छोटे-छोटे फैसले लेने दें, उसे अपने काम खुद करना सिखाएं। याद रखें कि हर बार आगे बढ़कर मदद करने से ज्यादा जरूरी उसे यह भरोसा देना है कि वह ये काम खुद भी कर सकता है। इन छोटे-छोटे कामों और बदलावों से बच्चे में जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है, जो उसे अकेले सोने के लिए प्रेरित करती है। इसके साथ ही माता-पिता को यह समझना चाहिए कि अकेले सोना भी आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने की प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा है। यह कोई सजा नहीं, बल्कि बच्चे के लिए खुद पर भरोसा करना सीखने का एक अवसर है। इसलिए जरूरी है कि पहले उसे मानसिक रूप से तैयार करें, प्यार और स्नेह के साथ प्रेरित करें और समय आने पर धीरे-धीरे सोने की यह स्वतंत्रता उसे सौंपें। इसके लिए धीरे-धीरे कोशिश करें और इस दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें। बच्चे को अचानक खुद से न करें दूर- बच्चे को अचानक अलग करना सही तरीका नहीं है। अगर उसे अचानक अकेले सोने के लिए मजबूर किया जाता है तो वह खुद को असुरक्षित, असहाय और अस्वीकृत महसूस कर सकता है। यह बदलाव उसके आत्मविश्वास को मजबूत करने के बजाय कमजोर कर सकता है। ऐसे में बच्चा या तो हर वक्त माता-पिता की छाया में रहना चाहेगा या फिर भीतर ही भीतर डर और चिंता को दबाकर जीना शुरू कर देगा। इसलिए जरूरी है कि यह बदलाव धीरे-धीरे, प्यार और समझदारी से किया जाए ताकि वह न सिर्फ अलग सोना सीखे, बल्कि खुद पर भरोसा करना भी। अंत में यही कहूंगी कि बच्चों को स्वतंत्र बनाना है तो पहले उन्हें सुरक्षित महसूस कराना होगा क्योंकि आत्मनिर्भरता वहीं पनपती है, जहां विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव की जड़ें गहरी हों। इससे उसमें धीरे-धीरे अलग सोने की आदत विकसित होगी।

अनुपम खेर दिवंगत सतीश कौशिक की बेटी के स्कूल पहुंचे,वंशिका की प्ले की परफॉर्मेंस देखकर बोले- जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी मिली

मुंबई। दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक के निधन के बाद उनके परिवार के साथ खड़े रहने का वादा निभाते हुए अभिनेता अनुपम खेर ने एक

बार फिर दोस्ती की मिसाल पेश की है। हाल ही में अनुपम खेर अपनी दिवंगत मित्र की बेटी वंशिका के स्कूल फंक्शन में पेरेंट बनकर पहुंचे और उसकी परफॉर्मेंस देखी। इस खास पल को उन्होंने सोशल मीडिया पर भी साझा किया। अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि वंशिका को स्कूल के नाटक में परफॉर्म करते देखना उनके जीवन के सबसे बड़े खुशी के पलों में से एक था। उन्होंने बताया कि स्कूल में वंशिका ने नुक्कड़ नाटक में हिस्सा लिया और उसकी एक्टिंग देखकर उन्हें अपने पुराने दिनों की याद आ गई। खेर ने लिखा, 'वंशिका के स्कूल फंक्शन में पेरेंट बनकर जाना और उसे नुक्कड़ नाटक में परफॉर्म करते देखना मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी थी। कई साल पहले मैं और सतीश दिल्ली में साथ मिलकर स्ट्रीट प्ले किया करते थे। वंशिका बेहद टैलेंटेड, मेहनती और अच्छी एक्ट्रेस है।' इस दौरान अनुपम खेर ने वंशिका की जमकर तारीफ की और उसके आत्मविश्वास व मेहनत की सराहना की। उन्होंने स्कूल की भी तारीफ करते हुए कहा कि कार्यक्रम का आयोजन बहुत अच्छे और व्यवस्थित तरीके से किया गया। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि वह भविष्य में भी वंशिका के ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होते रहेंगे। अनुपम खेर ने इस मौके की कुछ तस्वीरें और वीडियो भी शेयर किए, जिनमें वह वंशिका के साथ नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में वह उसकी परफॉर्मेंस की तारीफ करते दिखाई देते हैं। कार्यक्रम के बाद उन्होंने स्कूल के स्टाफ, क्रू और अन्य प्रतिभागियों के साथ भी तस्वीरें खिंचवाईं।गौरतलब है कि 9 मार्च 2023 को सतीश कौशिक का नई दिल्ली में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया था। उनके निधन के बाद अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर सबसे पहले यह दुखद खबर साझा की थी। उस समय उन्होंने वादा किया था कि वह सतीश की बेटी वंशिका के साथ हमेशा खड़े रहेंगे। तभी से वह अक्सर वंशिका के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते रहते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अनुपम खेर जल्द ही फिल्म 'खोसला का घोसला 2' में नजर आएंगे। यह 2006 में आई लोकप्रिय फिल्म का सीक्वल है। इसके अलावा वह प्रभास के साथ फिल्म 'फौजी' में भी दिखाई देंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चायन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।